Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -11,शुक्रवार,11 नवम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

जिस समाज में सदाचार ही नहीं है वह नष्ट हो जाता है।

- लोकमान्य तिलक-

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने टी-20 वर्ल्ड कप में

भारत की हार का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2022। टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में टीम इंडिया का सफर खत्म हो गया है. 10 नवंबर को इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से मिली हार के बाद भारत का टी-20 वर्ल्ड कप खेलने का सपना टूट गया. अब वर्ल्ड कप का फाइनल 13 नवंबर को इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा. भारत की हार हुई तो इसपर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ का रिएक्शन भी आया. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने भारत की हार पर ट्वीट किया और रविवार को इंग्लैंड-पाकिस्तान के फाइनल मुकाबले की बात की. लेकिन यहां उन्होंने टीम इंडिया को ट्रोल करने की कोशिश की. जिसपर भारतीय फैन्स का गुस्सा भड़क गया और उन्हें इसका जवाब भी दिया.

दरअसल, शहबाज़ शरीफ ने अपने ट्वीट में लिखा कि रविवार को 152/0 बनाम 170/0 का फाइनल मुकाबला होगा. बता दें कि भारत को टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल यानी गुरुवार को इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार मिली है, ऐसे में इंग्लैंड का स्कोर 170/0 रहा. जबकि पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हराया था, उस वक्त पाकिस्तान का स्कोर 152/0 था. शहबाज़ शरीफ ने इसी बात का जिक्र तंज कसते हुए किया.

शहबाज़ शरीफ के ट्वीट पर भड़के लोग

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के इस तरह के ट्वीट पर भारतीय यूज़र्स ने करारा जवाब दिया. कुछ यूज़र्स ने लिखा कि आप किसको सपोर्ट करोगे, क्योंकि आपका पैसा तो इंग्लैंड में ही इन्वेस्ट हुआ है. कुछ ट्विटर यूजर्स ने लिखा कि आप पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं या फिर पाकिस्तान के प्राइम कॉमेडियन? भारतीय यूज़र्स ने शहबाज शरीफ को 1971 की लड़ाई की भी याद दिला दी और कहा कि तुम्हारा रिकॉर्ड तो 93000/0 था. सिर्फ भारतीय यूज़र्स ही नहीं बल्कि पाकिस्तानी यूजर्स ने भी शहबाज शरीफ को ट्रोल किया और लिखा कि वर्ल्ड कप के अलावा मुल्क पर भी फोकस कर लें.

पाकिस्तान के क्रिकेटर्स ने क्या कहा?

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने कहा कि भारत के लिए यह शर्मनाक हार है, इतनी बुरी तरह बॉलिंग करके हारना शर्मनाक है. अब मेलबर्न में होने वाले फाइनल में हमारी मुलाकात नहीं होगी.

भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल में क्या हुआ?

टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया की करारी हार हुई है. भारत ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 का स्कोर बनाया था. टीम इंडिया की बल्लेबाजी इस मैच में फ्लॉप साबित हुई और रोहित-राहुल की ओपनिंग जोड़ी ने निराश किया. इसके बाद सूर्या और ऋषभ पंत भी नहीं चल पाए. अंत में हार्दिक पंड्या की कमाल की बल्लेबाजी के दमपर भारत सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाया. दूसरी ओर इंग्लैंड ने इस मैच को एकतरफा बना दिया. इंग्लैंड ने बिना विकेट खोए ही इस स्कोर को हासिल कर लिया.

इंग्लैंड की सलामी जोड़ी ने भारतीय गेंदबाजों को स्कूली बच्चों की तरह मैदान के चारों ओर धुन दिया. बटलर ने 49 गेंद में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 80 और एलेक्स हेल्स ने 47 गेंद में नाबाद 86 रन बनाए, जिसमें चार चौके और सात छक्के शामिल थे. ग्रुप चरण में शीर्ष रहने वाली भारतीय टीम का कोई दांव आज नहीं चल सका. बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों ने भी निराश किया. मोहम्मद शमी से लेकर अर्शदीप सिंह तक सभी नाकाम रहे और हेल्स तथा बटलर ने भारत-पाकिस्तान फाइनल की संभावनाएं ध्वस्त कर दीं.

जालंधर में आप के करीबी दो लोगों के घर और दफ्तरों पर इनकम टैक्स टीमों की दबिश

जालंधर ,10 नवम्बर 2022। पंजाब के जालंधर शहर में इनकम टैक्स की टीम ने दो जगह सर्च अभियान चलाया। इनकम टैक्स की टीम ने सुबह-सुबह शहर के बड़े उद्योगपति और उनके करीबी आम आदमी पार्टी के नेता के घरों और दफ्तरों में रेड की। दोनों के घरों और दफ्तरों में तलाशी अभियान चल रहा है। इमारतों के बाहर सुरक्षा बल तैनात हैं।

दोनों नेताओं के खाते और बिजनेस का रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। आप के जिस नेता के घर और ज्योति चौक, टैगोर नगर के पास स्थित दफ्तर-घर में इनकम टैक्स सर्च कर रही है। वह आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के करीबी माने जाते हैं।

इनकम टैक्स की टीमें श्रीनगर और लुधियाना से आई बताई जा रही हैं। बाकी रेड की तरह लोकल अफसरों को इसमें लूप में नहीं रखा गया है। केंद्रीय एजेंसी सर्च अभियान के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को साथ लेकर आई है।

सुबह सबसे पहले शहर में ये चर्चा थी की ईडी ने शहर के नामी उद्योगपति के ठिकानों पर रेड की है, जिसे बाद में इनकम टैक्स की रेड कहा गया। हालांकि अभी तक किसी भी अधिकारी की ओर से इस बाबत कोई बयान सामने नहीं आया है। इस रेड के बाद शहर में ये भी चर्चा है कि अब केंद्रीय एजेंसियों ने बाकी राज्यों की तरह पंजाब की तरफ भी रुख कर लिया है। विपक्ष समय-समय पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाता रहा है। खासकर ईडी की कार्रवाईयां खासी सुर्खियों में रहती हैं।

गुजरात में बीजेपी की पहली लिस्ट जारी

विरमगाम से हार्दिक तो रविंद्र जडेजा की पत्नी को जामनगर नॉर्थ से दिया टिकट

नई दिल्ली ,10 नवंबर 2022(ए)। गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने 160 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को घाटलोदिया से उम्मीदवार बनाया है। वे इसी सीट से मौजूदा विधायक हैं। वहीं, क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को जामनगर नॉर्थ से टिकट दिया गया है। पाटीदार नेता हार्दिक पटेल को विरमगाम से पार्टी ने मैदान में उतारा है। वहीं, मोरबी सीट से कांतिलाल अमृतिया को टिकट दिया है। मोरबी पुल हादसे के बाद से ये सीट चर्चा में है। इस हादसे में 130 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया गया।

आबकारी घोटाले में ईडी ने दो व्यापारियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली ,10 नवंबर 2022(ए)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में एक ताजा घटनाक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया। सत्रों के अनुसार दक्षिण भारत के दो व्यवसायियों शरत रेड्डी के. और बिनॉय बाबू को गिरफ्तार किया गया। दोनों को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी उनकी कस्टडी रिमांड की मांग करेगी।

सूत्रों ने दावा किया है कि बाबू और रेड्डी ने घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इससे पहले दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के करीबी सहयोगी दिनेश अरोड़ा ने कहा था कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहते हैं। इस मामले में अब तक चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सूत्र ने कहा, रेड्डी अरविंदो फार्मा फर्म चलाते हैं जबकि बाबू पर्नोड रिकार्ड फर्म चलाते हैं। वे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कारोबारी हैं।सीबीआई ने मामले में अपनी प्राथमिकी में सिसोदिया को आरोपी नंबर वन बनाया है। सिसोदिया पर आरोप है कि शराब कारोबारियों को कथित तौर पर 30 करोड़ रुपये की छूट और लाइसेंस धारकों को कथित तौर पर उनकी इच्छा के अनुसार विस्तार दिया गया था।

टीवी चैनलों को राष्ट्रीय हित के विषयों पर सामग्री के लिए प्रतिदिन 30 मिनट का समय देना चाहिए

नई दिल्ली ,10 नवंबर 2022(ए)।भारत को अपलिंकिंग हब के रूप में पेश करने के लिए, सरकार ने टेलीविजन चैनलों के लिए दिशानिर्देशों में छूट की घोषणा की और मुख्य रूप से मनोरंजन चैनलों के लिए 30 मिनट का दैनिक जनहित प्रसारण अनिवार्य कर दिया।सरकार ने मंगलवारको टेलीविजन चैनलों के लिए दिशानिर्देशों में छूट की घोषणा की%भारत में टेलीविजन चैनलों के अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के लिए दिशानिर्देश, 2022, जिन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है, सीमित देयता भागीदारी और कंपनियों को उपग्रह पदचिह्न द्वारा कवर किए गए देशों में सामग्री को प्रसारित करने के लिए भारतीय टेलीपोर्ट से विदेशी चैनलों को अपलिंक करने की अनुमति देता है। .

इस कदम से भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के टेलीविजन चैनलों को सिंगापुर के बजाय भारत से अपलिंक करने की अनुमति मिलने की उम्मीद है, जो उपमहाद्वीप में प्रसारित चैनलों के लिए पसंदीदा अपलिंकिंग हब है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में पंजीकृत कुल 897 में से केवल 30 चैनल भारत से अपलिंक हैं।

संयुक्त सचिव (प्रसारण) संजीव शंकर ने यहां मीडिया को एक प्रस्तुति में कहा, ÷कार्यक्रमों के सीधा प्रसारण के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है, केवल लाइव प्रसारण के लिए कार्यक्रमों का पूर्व पंजीकरण आवश्यक होगा।÷ उन्होंने कहा कि मानक परिभाषा (एसडी) से हाई डेफिनिशन (एचडी) या इसके विपरीत भाषा बदलने या ट्रांसमिशन मोड के रूपांतरण के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।उन्होंने कहा कि चैनल को केवल मंत्रालय को बदलावों के बारे में सूचित करना होगा।

दिशानिर्देश पहली बार 2005 में जारी किए गए थे और 2011 में संशोधित किए गए थे। अंतरिम अवधि में तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए 11 साल बाद वर्तमान संशोधन हुआ है। आपात स्थिति में, केवल दो निदेशकों/साझेदारों वाली कंपनी/एलएलपी के लिए, व्यापार निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए, ऐसी नियुक्ति के बाद सुरक्षा मंजूरी के अधीन परिवर्तन किए जा सकते हैं।

नए दिशानिर्देशों में कहा गया है कि एक कंपनी डिजिटल सैटेलाइट न्यूज गैदरिंग (डीएसएनजी) के अलावा अन्य समाचार एकत्र करने वाले उपकरणों जैसे ऑप्टिक फाइबर, बैक पैक, मोबाइल का उपयोग कर सकती है, जिसके लिए अलग से अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट ज्ञानवापी विवाद पर आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली ,10 नवंबर 2022(ए)। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में 'शिवलिंग' होने के दावे के बाद उस क्षेत्र की सुरक्षा से संबंधित अंतरिम आदेश बढ़ाने के मामले पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की गुहार स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में शुक्रवार अपराह्न तीन बजे सुनवाई करेगी।

ग्वालियर-चंबल का कुख्यात डकैत गुड्डा गिरफ्तार

ग्वालियर/मुरैना ,10 नवंबर 2022(ए)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर-चंबल इलाके मे पुलिस के लिए सिरदर्द बने डकैत गुड्डा गुर्जर को पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। मुठभेड़ के दौरान गुड्डा के पैर में गोली लगी है। गुड्डा ग्वालियर-चंबल इलाके की पुलिस के लिए चुनौती बन गया था और लगातार उसके अपराध बढ़ते जा रहे थे। बीते दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस डकैत के सफाए के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए थे, उसी के चलते मुरैना और ग्वालियर की सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई थी। गुड्डा गिरोह के भंवर पुरा घाटीगांव की सीमा पर सक्रिय होने की सूचना मिली थी।

जैकलीन फर्नांडीज की मुश्किलें बढ़ीं

» कोर्ट ने ईडी से पूछा,सबूत हैं तो एक्ट्रेस को गिरफ्तार क्यों नहीं किया

मुंबई ,10 नवंबर2022 (ए)। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में आज बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की नियमित जमानत याचिका पर आज पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिका पर 11 नवंबर को फैसला आएगा। आज सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि जैकलीन के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, इसलिए उन्हें नियमित जमानत न दी जाए। कोर्ट ने श्वष्ठ से पूछा कि अगर सबूत हैं तो आपने जैकलीन को अब तक अरेस्ट क्यों नहीं किया? सुनवाई के वक्त पटियाला हाउस कोर्ट में जैकलीन के साथ पिंकी ईरानी भी मौजूद थीं।पिंकी पर सुकेश से पैसा लेकर जैकलीन तक पहुंचाने का आरोप है। सुनवाई के दौरान जैकलीन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर उनको परेशान करने का आरोप लगाया है। ईडी ने अभिनेत्री की तरफ से दायर जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने देश से भागने की कोशिश की और जांच में सहयोग नहीं किया। एजेंसी ने अदालत में कहा कि जैकलीन फर्नांडीज आसानी से देश से भाग सकती हैं, क्योंकि उनके पास पैसे की कमी नहीं है।

डायन कहकर पंचायत ने सुनाई मौत की सजा

गया गया में बीते शनिवार को सनसनीखेज वारदात घटित हुई है। दरअसल जिले के मैगरा थाना क्षेत्र के पचमह गांव में उन्मादी भीड़ ने एक महिला पर डायन होने का आरोप लगाकर उन्हें उनके ही घर में जिंदा जलाकर मार डाला। इसके पहले भीड़ ने महिला को लाठी डंडे से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। फिर घर में बंद कर उनके ऊपर पेट्रोल छिड़क आग के हवाले कर दिया।बताया जा रहा है कि झुलसने से महिला की मौत हो गई। मृतिका की पहचान 40 वर्षीय हेमंती देवी पति अर्जुन दास के रूप में हुई है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करना चाहा, लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस पर ही पथराव कर दिया। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मैनपुरी लोस उपचुनाव लेंगी डिम्पल यादव

-डॉ. राजकुमार मिश्र-

लखनऊ 10 नवंबर 2022(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के मुखिया अखिलेश सिंह यादव की धर्मपत्नी डिंपल यादव को मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में सपा की ओर से उम्मीदवार बनने की घोषणा आज कर दी गई।पांच विधान सभाओं वाली मैनपुरी लोस सीट सपा का गढ़ मानी जाती है जो मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई है।

बेअदबी के आरोपी डेरा समर्थक की दिन दहाड़े हत्या

अमृतसर, 10 नवंबर 2022(ए)। गुरुग्रन्थ साहिब की बेअदबी के आरोपी प्रदीप सिंह को आज सुबह उनकी दुकान में घुसकर पांच हमलावरों ने गोलियों से छलनी कर दिया और हथियार लहराते हुए फरार हो गए।पुलिस उनको सीसीटीवी की फुटेज से पहचान कर जल्द ही दबोच लेने का भरोसा जताया है। याद रहे,प्रदीप सिंह रामरहीम वाले डेरा सच्चा सौदा से जुड़े थे।उनपर गुरुग्रन्थ साहिब की बेअदबी के मामले के बाद से उन्हें मार डालने की धमकियां मिली थीं जिसके बाद उन्हें सुरक्षा भी मुहैया कराई गई थी।

एक स्वीपर के खिलाफ हुई सत्ता

» मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो सीजेआई ने लगा दी सरकार की क्लास

नई दिल्ली ,10 नवंबर 2022(ए)। स्कूल में काम करने वाले सफाई कर्मचारी को नियमित किए जाने के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी डाली थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगाते हए कहा कि आखिर इतनी ताकतवर सत्ता एक सफाई कर्मचारी के खिलाफ अदालत क्यों चली आई। दरअसल मद्रास हाई कोर्ट ने एक फैसला दिया था, जिसके तहत 22 साल से एक स्कूल में काम कर रहे सफाई कर्मचारी को नियमित करने का आदेश दिया गया था। इसके खिलाफ तमिलनाडु की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी।

अर्जी पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'एक शख्स ने स्कूल में 22 साल तक नौकरी की। इन 22 सालों के बाद वह शख्स बिना ग्रैच्युटी और पेंशन के घर लौटता है। यह समाज का सबसे निचला वर्ग है। आखिर कैसे सरकार एक स्वीपर के खिलाफ जा सकती है? एक सरकार सफाई कर्मचारी के खिलाफ अपनी ताकत का इस्तेमाल कर रही है? सॉरी, हम इस अर्जी को खारिज करते हैं।' तमिलनाडु सरकार का तर्क था कि सफाई कर्मचारी ने भले ही 22 सालों तक स्कूल में काम किया, लेकिन वह पार्ट टाइम जॉब ही थी। यदि स्कूल में परमानेंट वैकेंसी ही नहीं है तो फिर उसे कैसे रेग्युलर वैकेंसी के तहत भर्ती कर्मचारी वाले फायदे दिए जा सकते हैं।

इससे पहले मद्रास हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती कि जिस स्कूल में हजारों बच्चे पढ़ते हैं, वहां सफाई और हाइजीन का जिम्मा एक पार्ट टाइम कर्मचारी को दे दिया गया। हम मानते हैं कि राज्य सरकार को एक स्कीम लानी चाहिए और ऐसे कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति मिलनी चाहिए। मद्रास हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ ही तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने शीर्ष न्यायालय में अपील दायर की थी, लेकिन वहां भी उसे झटका ही लगा। उच्चतम न्यायालय ने एक सफाई कर्मचारी के खिलाफ राज्य सरकार की अर्जी को सत्ता का बेजा इस्तेमाल करार दिया।

लड़े बगैर ही हथियार डालकर सम्भावित किरकिरी से बच गए

अहमदाबाद, ,10 नवंबर 2022(ए)। गुजरात मे सत्ताविरोधी लहर का सामना करने से पहले ही भाजपा के मुख्यमंत्री समेत करीब तीन दर्जन मंत्रियों व विधायकों ने खुद ही आग्रह करके हाईकमान से चुनाव मैदान से दूर रहने की मंजूरी हासिल कर ली है।आज घोषित उम्मीदवारों की लिस्ट में उक्त सभी अनिच्छुक जनप्रतिनिधियों को दरकिनार करके उनकी सीटों पर नए चेहरों पर दांव लगाया गया है भले ही उक्त बदलाव के लिए स्वेच्छा को कारण बताकर पल्ला झाड़ लिया गया मगर इससे गुजरात के आम लोगों में यह चर्चा भी चल पड़ी है कि खुद मुख्यमंत्री तक अगर अन्य कई प्रतिनिधियों की तरह आगे बढ़कर अपनी सीट पर किसी दूसरे को खड़ा कर देने का आग्रह करें तो इसका यह अर्थ भी हो सकता है कि वे सभी मोदी जी के नेतृत्व का अब कोई भविष्य नहीं देख पा रहे हैं।अब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र में बनी बनाई साख और धाक की मिट्टी पलीद होते नही देखना चाहते।

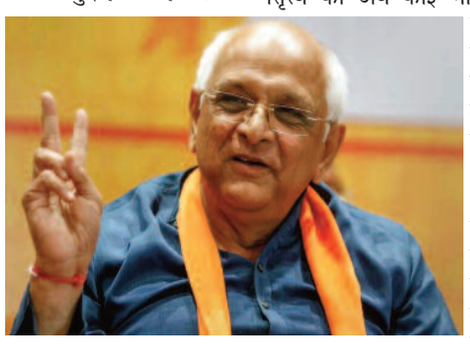

गुजरात मे अपने काम और राज्य स्तर के किसी भी नेता के नाम की बजाय सिर्फ और सिर्फ मोदीजी के चेहरे को आगे रखकर विधान सभा मे बहुमत के साथ वापसी का सपना पूरा करने की राह को स्वेच्छा से हथियार डालकर मैदान से बाहर हो चुके कल तक के शूरमा कितनी आसान या कठिन बना पाते हैं यह तो चुनाव परिणाम से ही स्पष्ट होगा।

संपादकीय

अब तो भ्रम से निकलें!

अब समय है, जब धनी देशों की आंख खुले। जिस समय दुनिया जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के 27वें सम्मेलन के लिए तैयार हो रही है, ये तथ्य सामने आया है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण सबसे ज्यादा गर्म यूरोप का वातावरण हुआ है।

अगर धनी देश इस भ्रम में थे कि अपनी समृद्धि और व्यवस्थागत कौशल के कारण वे जलवायु परिवर्तन की मार से बचे रहेंगे, तो अब उनकी आंख खुल जानी चाहिए। जिस समय दुनिया जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के 27वें सम्मेलन के लिए तैयार हो रही है, ये तथ्य सामने आया है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण सबसे ज्यादा गर्म यूरोप का वातावरण हुआ है। साफ है कि जलवायु परिवर्तन की मार देर-सबेर सब पर पड़ेगी। ताजा रिपोर्ट गैर सरकारी संस्था- विश्व मौसम विज्ञान संस्थान (डब्लूएमओ) ने जारी की है। उसके मुताबिक गुजरे 30 साल में पृथ्वी के दूसरे भूभागों की तुलना में यूरोप करीब दोगुनी तेजी से गर्म हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गर्मी की वजह से यूरोप भीषण सूख भी झेल रहा है और तेजी से आल्प्स के ग्लेशियर भी खो रहा है। यह गर्मी भूमध्यसागर को भी तपा रही है।

यूरोप गर्म होती दुनिया की लाइव तस्वीर पेश कर रहा है और बता रहा है कि अच्छी तरह तैयार समाज भी मौसमी अति की घटनाओं से सुरक्षित नहीं हैं। गौरतलब है कि 1991 से 2021 के बीच यूरोप का औसत तापमान हर दशक में 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा। इसी समयावधि में बाकी दुनिया का तापमान हर दसवें साल में 0.2 डिग्री सेल्सियस के औसत से बढ़ा। 2021 में जलवायु परिवर्तन की वजह से यूरोप में इतनी मौसमी आपदाएं आईं कि 50 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। ताजा रिपोर्ट ने बताया है कि यूरोप का ज्यादातर इलाका उप-आर्कटिक और आर्कटिक क्षेत्रों से मिलकर बना है। इस वजह से गर्मियों में यूरोप के ऊपर कम बादल मंडरा रहे हैं, जिससे सूरज की सीधी किरणें सतह पर पहुंचकर तपिश पैदा कर रही हैं। कुछ वैज्ञानिक यूरोप को हीटवेब का हॉटस्पॉट कह रहे हैं। छह नवंबर से मिस्र एक शर्म अल शेख में विश्व जलवायु सम्मेलन कॉप-27 शुरू हो रहा है। अगर धनी देशों की आंख कुल गई हो, तो उनके नेता वे वहां कुछ ऐसे फैसले ले सकते हैं, जिससे धरती के तापमान में वृद्धि को रोका जा सकेगा। ऐसे कदम उठाए गए, तो सारी दुनिया सुरक्षित होगी।

बेकरार

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

तुम हो नहीं मगर दिल, करता है इंतजार।
लहरा के तुमको आँचल, पुकारे बार-बार।
बस गई तस्वीर ऐसे, कल्ब -ओ- जिगर में,
के बंद आंखों से भी, होने लगा दीदार।
आती है जब हवाएं तेरे दर को चूम के,
खुशबू से महक जाते मेरे दर-ओ- दीवार।
कानों में गुनगुना के ये करती है गुफ्तगू
कहती है तेरी खातिर वो भी हैं बेकरार।
लहरा गई है बर्क सी तेरा हाल जान के,
तेरी बेकरारी पे ये दिल भी हुआ बेदार।

अपनी ही धुन

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

तेरा इश्क़ इबादत और तेरा नाम ज़िन्दगी
के तुझसे इश्क़ करना मेरा काम ज़िन्दगी
तेरी सुबहें ख़ूबसूरत रातें सभी ग़मगीन
किसी मोड़ पर देखेंगे तेरी शाम ज़िन्दगी
बदलाव ही तो हैं लिखे हर सफ़हे पर तेरे
कब रहती है किसी की तू दवाम ज़िन्दगी
मिल जाये कभी तू तो तेरी करेंगे ख़िदमत
टकराएंगे फिर तुझसे हम भी जाम ज़िन्दगी
अपनी ही धुन में गाती जाए गीत तू सभी
तेरे अपने शेर अपने सब कलाम ज़िन्दगी

थोड़ी सी चाहत

ओमप्रकाश बिन्जवे ÷ राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

तोहफे चाहिए न ही दौलत चाहिए।
आपके दिल में थोडी चाहत चाहिए।
दोस्तों , हम यूं वादा निबाह दो दे,
मगर थोडी थोडी फुरसत चाहिए।
सत्य बात लिखने सुनने के लिए,
जिगर चाहिए थोडी हिम्मत चाहिए।
हीरे को परखना बहुत आसान है,
मगर जौहरी सी लियाकत चाहिए।
गर दोस्तों को आजमाना है सागर
जिन्दगी में थोडी गुरबत चाहिए।

ये वक्त

आशीष शर्मा
अमृत
जयपुर, राजस्थान

आजकल अंजान से होकर हम मिलते हैं
मुस्कुराते वो चेहरे अब कहाँ खिलते हैं?
इन चेहरों के मिज़ाज कैसे पढ़े अब कोई
अनजाने लगते मेरे अपने,अब बड़े खलते हैं
कहाँ यूँ बेफिक्र हो कर हम कहीं चलते हैं?
बाहर ताज़ी हवा में साँस अब कहाँ लेते हैं?
सावन में मिट्टी की खुशबू भी गुम सी हो गई
बरसात में भीगने के बस अरमान मचलते हैं
हर रोज़ जैसे एक जंग पर हम निकलते हैं
ख़तरा तो है फिर भी हम उसे मोल लेते हैं
ज़िन्दगी के लिए ये मशक़्क़त भी है ज़रूरी
हौसले हमें वक़्त से लड़ने की हिम्मत देते हैं

दिल्ली की जनता प्रदूषण से बेहाल

लाल बिहारी लाल
लालबाग नई दिल्ली

आज दिल्ली दुनिया में सबसे अधिक प्रदूषित शहर की श्रेणी में आ गया है। दिल्ली की आबादी 2.5 करोड़ के आसपास पहंच चुकी है। अगर आबादी इसी तरह से बढ़ती रही तो दिल्ली में जीना मुहाल हो जायेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2.5 पी.एम का औसत स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है जबकि यूरोपियन यूनियन ने. 2.5 पी.एम प्रदूषण का स्तर 25 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर निर्धारित किया है। वही अमेरिका द्वारा इसका स्तर 12 माइक्रोग्राम निर्धारित किया गया है। । दिल्ली में सामान्यत:2.5 पी.एम का स्तर 400 से उपर चल रहा है आजकल तो 500 से भी ज्यादा पहुंच गया है। यह स्तर अमेरिका से लगभग 40 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानक से 45-50 गुना ज्यादा है। इस प्रदूषण से कैंसर,दिल की बिमारी ,स्थमा के अलावे अन्य कई घातक बिमारी होने के खतरे कई गुना बढ़ जाता है । भारी यातायात,स्थानीय उद्योग,थर्मल पावर प्लांट एवं झूग्गी में कोयला पर खाना बनाने से दिल्ली में वायू प्रदूषण के स्तर के बढ़ाने में काफी मदद मिलता है। इसके साथ ही साथ पंजाब,हरियाणा एंव उ.प्र. में पराली जलाने से दिल्ली का हाल और बेहाल हो जाता है।

दिल्ली में परिवहन की बात करे तो नीजि और कर्मशियल पंजीकृत गाडयिों के संख्या 90 लाख के आसपास है । जिसमें 30-32 लाख कार आ 56-58 लाख दुपहिया वाहन है। प्रदूषण फैलानें में सड़क पर ट्रक के बाद दुपहिया वाहन से 18-19 प्रतिशत और कार से 14-15 प्रतिशत दिल्ली की हवा को खराब करने में योगदान है। दिल्ली में सन 2011 में दि.प.नि. के पास 6,000 से अधिक बस थी जो सन 2017-18 तक घटके 4000 रह गयी ।जिससे दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन ब्यवस्था काफी दयनीय हाल में है। सरकार पिछले 3-4 वर्षो में कोई खास पहल नहीं कर सकी जिससे दूपहिया और नीजि वाहनों पर आत्मनिर्भरता बढ़ी है। जिससे प्रदूषण काफी तेजी से बढ़ा है। सरकार अब पुरानी गाड़ियों को सड़क से हटा रही है और इसके बदले इलेक्ट्रीक कार,बस और बाइक ला रही है जो एक सही कदम है पर यह नकाफी है। ए.सी.आर में जल रही पराली को भी रोका जाये इसके लिए केन्द्र एंव राज्य सरकारे मिलकर कोई ठोस कदम उठाये। ताकि इसके स्थायी समाधान हो सके।

भारत की भूमि दुनिया की भूमि का 2.4 प्रतिशत है जबकि आबादी लगभग 18 प्रतिशत है । इस कारण प्रति ब्यक्ति संसाधन पर दबाव अन्य देशों की तुलना में भारत में काफी ज्यादा है जिस कारण तेजी से शहरीकरण और औद्योदिकरण हो रहा है। सन् 1947 की तुलना में वर्ष 2002 तक पानी की उपलब्धता 70 प्रतिशत घटके 1822 घनमीटर प्रति ब्यक्ति रह गया है। अगर इसी तरह संसाधन का दोहन तेजी से होता रहा तो वो दिन दूर नहीं जब मावव जल के बिना मच्छली की तरह तड़प-तड़प के एक दिन जान दे देगा। भारत में वन के औसत भोगोलिक क्षेत्रफल 24.62 प्रतिशत है जे समान्य से 33 प्रतिशत के मनदंड से काफी कम है । ऐसे में भी 50 प्रतिशत वन म.प्र.(20.7) और पूर्वोतर के राज्यो में (25.7) प्रतिशत है बाकी के राज्य वन के मामलें में काफी निर्धन हैं । वन की कमी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है । तभी तो कुछ वर्ष पहले तामिलनाडू और केरल जल तांडव से ग्रस्त थे।

प्रदूषण के मामलें में केन्द्र और राज्य सरकार नियम तो बहुत बनाये हैं पर सख्ती से अमल नहीं हो पाने के कारण राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का ग्राफ काफी तेजी से बढ़ रहा है। आजकल दिल्ली में 2.5 पी.एम का औसत स्तर सारी सीमायें(500 से ज्यादा यानी खतरनाक स्तर) लांघ चुकी है। यहां पर सार्वजनिक परिवहन ब्यवस्था काफी लचर है। आम आदमी के नई सरकार बनी तो लोग सोचने लगे की काफी सुधार होगा। पर यह सरकार पिछली सरकार से भी फिसड्डी साबित हुई। सुप्रीम कोर्ट के पुर्व मुख्य न्यायधीश जस्टीश टी.एस. ठाकुर के फटकार के बाद दिल्ली के सरकार फौरी तौर पर 2016 मे 1 जनवरी से 15 दिन के लिए सभी गाड़ियों को ओड और इभेन नंबर एक-एक दिन चलाया गया। इस बीच सरकारी एवं नीजि स्कूल को भी बंद रखा गया और हजारों नीजि बस भी चलाया गया पर नतीजा कुछ खास नहीं निकला। क्योंकि यह एक स्थाई समाधान नहीं है। इसलिए जरुरी है कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन ब्यवस्था को दुरुस्त किया जाये ,साथ ही साथ मैट्रो फीडर बस सेवा भी उचित संख्या में चलायी जाये ताकि लोगों का निजी गाड़ी (कार एवं बाइक)पर से आत्मनिर्भरता कम हो सके। और नियम का सख्ती से अनुपालन भी हो। लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरुक भी किया जाये। दिल्ली में जगह-जगह लगने वाले जाम के भी खत्म(कम) किया जाये। ताकि वायू प्रदूषण को कम किया जा सके। राजनीतिज्ञ लोग के वोट के राजनीति से बाहर आके देशहित और जनहित में कुछ करने का साहस दिखाना होगा तभी पर्यावरण से त्रस्त दिल्ली के जनता का भला हो सकेगा ।

एन.सी.आर में पहली से आंठवी तक स्कूल को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। यह प्यास लगने परकुआं खोदने के समान है। अब सुप्रीम कोर्ट ,केन्द्र और राज्य सरकारे जनता के हितों की रक्षा खातिर कुछ ठोस कदम उठा सके तो उठाये । वरना सरकारी रवैया और जनता के रुख को देख के दिल्ली से प्रदूषण के दानव से निजात मिलना इतना आसान नहीं दिख रहा है। सरकारें स्थायी समाधान ढूढ़नें की कोशिशकरे हल अवश्य निकलेगा।

भारत की जी-20 अध्यक्षता:उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बहुत ही बड़ा पल

भारत एक महीने से भी कम वक्त में, 1 दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता लेने जा रहा है। इस दौरान वो एक बहुत ही ख़ास स्थिति में है जहां वो दुनिया भर के विकासशील देशों की चिंताओं और वरीयताओं के हक़ में आवाज़ उठा सकता है। इंडोनेशिया-भारत-ब्राजील की जो जी-20 वाली तिकड़ी है, उसके केंद्र में भारत खड़ा है। इस प्रतिष्ठित अंतर-सरकारी मंच के 14 साल के इतिहास में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेतृत्व में अपनी तरह की ये पहली तिकड़ी है। तकरीबन 1.4 अरब की आबादी के साथ, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर भारत के पास गजब का आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रसूख है, जिससे वो ग्लोबल नैरेटिव का प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन कर सकता है ताकि आज की वास्तविकताओं का बेहतर ढंग से प्रतिनिधित्व कर सके।

जी-20 का पल भारत के लिए एक ऐसा मौका है जहां वो एक अंतरराष्ट्रीय एजेंडा निर्मित कर सकता है और उसे आगे बढ़ा सकता है। ये एजेंडा है - लाइफ (पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल), डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, महिला सशक्तिकरण और तकनीक आधारित विकास पर गहरा ध्यान देते हुए समावेशी, न्यायसंगत और स्थायी विकास को आगे की ओर रखना।

हालांकि, तेजी से ध्रुवीकृत हो रही इस विश्व व्यवस्था में इन प्राथमिकताओं को उभारना कोई आसान काम नहीं है। जी-20 की भारतीय अध्यक्षता ऐसे समय पर आई है जब कुछ अन्य वैश्विक चिंताओं का ग्रहण लगा हुआ है। ये चिंताएं रूस और यूक्रेन युद्ध के दुष्परिणामों और व्यापक आर्थिक मंदी से लेकर विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले गंभीर ऋण संकट तक जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की पृष्ठभूमि में देखें तो कोविड-19 महामारी के कारण तात्कालिक आपदा शमन प्रयासों से दशकों की विकास संबंधी प्रगति में भारी बाधा पड़ी है। ऐसे में सतत विकास को लेकर भारत का विजन ही इस वक्त की जरूरत है, जो कि वैश्विक अंतर्संबंधों, साझा जिम्मेदारी और एक सर्कुलर इकोनॉमी में निहित है। इस मिशन को उभारने के लिए भारत जी-20 की अपनी अध्यक्षता की थीम के तौर पर वसुधैव कुटुम्बकम या एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य को अपना रहा है। एक प्राचीन संस्कृत पुस्तक महाउपनिषद् से ली गई ये फिलॉसफी 2014 में भारत की डिप्लोमैटिक विश्वदृष्टि में दिखती है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने ऐतिहासिक संबोधन में विश्व परिवार की बात की थी। उस समय प्रधानमंत्री जी-4 गठबंधन के लिए एक बड़ी भूमिका का आह्वान कर रहे थे, और वे इस नीति को निल बटे सन्नाटा के तौर पर न देखने की जरूरत पर बल दे रहे थे। आज, ये संदेश पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक बना हुआ है। क्योंकि मानवता आज तक के अपने सबसे बड़े अस्तित्व के खतरे से जूझ रही है। वो है - जलवायु परिवर्तन का विनाशकारी व्यापक असर। भारत को उम्मीद है कि अपनी थीम से वो दुनिया भर के नेताओं और वैश्विक नागरिकों को ये याद दिलाएगा कि सबसे छोटे सूक्ष्मजीव से लेकर सबसे बड़े सभ्यागत इकोसिस्टम तक, जीवन के तमाम रूप परस्पर जुड़े हुए हैं। और ये कि कैसे ये साझा भविष्य, एक बराबर जिम्मेदारी और व्यक्तिगत हस्तक्षेप को जन्म देता है। भारत का जी-20 वाला लोगो ऐसी ही फिलॉसफी की बात करता है। कमल, जो कि देश का राष्ट्रीय फूल है और विपत्तियों के बीच भी विकास का प्रतीक है, उसमें बैठी पृथ्वी की छवि, दरअसल जीवन को लेकर भारत की प्रो-प्लैनेट अप्रोच की बात करती है। इसके लोगो में केसरिया, सफेद और हरे रंग का शानदार मिश्रण दरअसल विविधता और समावेश के सिद्धांतों को दर्शाता है जो कि उसके सांस्कृतिक लोकाचार को रेखांकित करता है। भारत लंबे समय से सार्वभौमिक सद्भाव और सहयोग का वाहक रहा है और आगे भी रहेगा।

लाइफ (पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल) की अवधारणा इन सिद्धांतों के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। नवंबर 2021 में ग्लासगो में सीओपी-26 में प्रधानमंत्री ने इसका परिचय कराया था। पिछले महीने, इस मिशन को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेज़ की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर इसे लॉन्च किया गया था। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि कुल मिलाकर इस आंदोलन का मकसद जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को लोकतांत्रिक बनाना है जिसमें हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सकता है। सामाजिक और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर, खपत और उत्पादन के पैटर्न में बदलाव को ध्यान में रखते हुए, लाइफ से उम्मीद है कि वो दुनिया भर में बड़े पैमाने पर पर्यावरण के लिहाज से टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा। जी-20 की अध्यक्षता में भारत को अपने सामंजस्यपूर्ण दर्शन और प्राचीन सभ्यता संबंधी उन परंपराओं को दिखाने का मौका मिलेगा जिन्होंने पीढ़ियों-पीढ़ियों से पृथ्वी के साथ अपने समग्र संबंध को कायम रखा है। टिकाऊ प्रथाओं का समृद्ध इतिहास भारत को एक ऐसे विशिष्ट स्थान पर रखता है जहां वो जलवायु और विकास एजेंडे को एकीकृत करने के बारे में बात कर सके।

डिजिटल मोर्चे की बात करें तो भारत मिसाल कायम करते हुए नेतृत्व करने को तैयार है। इसकी डिजिटल कामयाबी की कहानी खुद-ब-खुद बोलती है। टेक्नोलॉजी प्रेरित समाधानों के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण में उसका बुनियादी भरोसा, कई प्रमुख क्षेत्रों पर ज्यादा बड़ा ध्यान दिला सकता है। ये प्रमुख क्षेत्र हैं - पब्लिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय समावेशन और कृषि से लेकर शिक्षा तक टेक्नोलॉजी युक्त विकास। भारत एक ऐसा देश है जहां रियल टाइम डिजिटल लेनदेनों की दुनिया में सबसे बड़ी संख्या (2022 तक 48 बिलियन) है, और जो सबसे बड़ी बायोमेट्रिक आईडी सिस्टम (आधार) का घर है। वो डिजिटल वित्तीय समावेशन, डिजिटल पहचान और सहमति आधारित ढांचों के इर्द गिर्द बातचीत को आकार देने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थिति में है। इसके अलावा, भारत अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी नतीजे देने के लिए प्रतिबद्ध है। इनमें महिला सशक्तिकरण, 2030 एसडीजी की दिशा में तेजी से प्रगति, कई क्षेत्रों में तकनीक आधारित विकास, हरित हाइड्रोजन, आपदा जोखिम में कमी, खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ाना, और बहुपक्षीय सुधार आदि शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की है कि ऋण संकट भारत की जी-20 मुद्दों की सूची में शुमार होगा, ऐसे में ये स्पष्ट है कि ये मुल्क ग्लोबल साउथ के हितों के लिए एक प्रभावी झरोखा बनने को तैयार है और वो विकसित दुनिया की अलग-थलग चिंताओं को व्यापक एजेंडे पर हावी होने नहीं देगा।

-अमिताभ कांत-

लग्नेत्तर संबंध कितना जायज

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर
कर्नाटक

आजकल समाज में एक हवा चल रही है यानी कि लग्नेत्तर संबंध। बहुत बार हम पढ़ते है, सुनते है लग्नेत्तर संबंधों के बारे में, पर इसके पीछे का कारण क्या हो सकता है इसका अंदाज़ा नहीं लगा सकते।

ऐसे रिश्तों में क्या एक दूसरे के प्रति शिद्दत वाला प्यार होता है? या महज़ कुछ ऐसे कारणों की वजह से लोग किसी ओर के साथ जुड़ते है।

जैसे, पति पत्नी एक दूसरे से असंतुष्ट होते है, खुद को आधुनिक विचारधारा वाली शख़्सियत मानते है, शारीरिक आकर्षण होता है या जिंदगी में कोई कमी महसूस कर रहे होते है? वजह कुछ भी हो सकती है। पर सोचने वाली बात ये है कि क्या ऐसे रिश्ते जायज़ है?

सब जानते है कि ऐसे रिश्ते बारूद के ढ़ेर से खेलने की प्रक्रिया है। जिसमें विस्फोट के बाद सब ख़ाक़ में मिल जाना है।

पर जैसे हर चीज़ के दो पहलू होते है, वैसे इस मामले में भी दो राय हो सकती है।

कोई ये कहेगा कि अगर प्यार करने वाले दोनों ही पहले से विवाहित है तो ऐसा रिश्ता प्यार की आड़ में यौनाचार है। अपने साथी के प्रति धोखा है। निश्चित है कि किसी एक ने मिलने के या संवाद साधने के अवसर खोजे होंगे और दूसरे को अपनी ओर आकर्षित करने की स्तिथियां निर्मित की होगी। यह सिर्फ़ एडल्टरी है, प्यार तो केवल मुलम्मा भर होता है। ऐसा रिश्ते किस काम के जिसमें दो व्यक्तियों के एक गलत कदम से दोनों परिवार बर्बाद हो सकते है। ऐसे रिश्तों की कोई उम्र नहीं होती फिर इस बवंडर को आमंत्रित करने का कोई अर्थ ही नहीं है। सब जानते है कि प्रेम की अंतिम परिणीति सेक्स है। प्रेम वहीं, पूर्णता प्राप्त करता है। चाहे रिश्ता जो भी हो, लेकिन अगर उसमें धोखा, झूठ, फ़रेब और बेईमानी एक कदम भी रख दे, तो रिश्ते का बर्बाद होना तय होता है। लग्नेत्तर संबंध बर्बादी है, धोखा है या हवसपूर्ति का ज़रिया है।

तो दूसरी ओर कुछ लोगों की राय ये भी हो सकती है कि,

प्यार कोई बोल नहीं, प्यार आवाज़ नहीं

एक ख़ामोशी है, सुनती है, कहा करती है

न ये बुझती है, न रुकती है, न ठहरी है कहीं नूर की बूँद है सदियों से बहा करती है। सिर्फ़ एहसास है ये रूह से महसूस करो प्यार को प्यार ही रहने दो कोई नाम न दो। अगर सच्चा प्यार हो जाए किसीसे तो जरूर करो! पर आकर्षण को प्यार का नाम देकर यौनाचार न करो। अपने प्रेम को आत्मिक तल तक पहुँचाओ। प्रेम परमात्मा को महसूस करने का ज़रिया है

इसमें वासना या शरिरक उपभोग के विचार मत डालिए। वरना आप अपनी और दो और लोगों की ज़िंदगी बर्बाद करेंगे। प्रेम के आध्यात्मिक अनुभव और परमात्मा की झलक पाने से आप चूक जाएँगे ।

ये बात बिलकुल गलत है कि शादी नहीं हो पाएगी इसलिय प्रेम जायज़ नहीं है। जरूरी नहीं हर प्रेम की मंज़िल शादी हो।

हमारा समाज कुछ ऐसा है कि यहाँ कोई लड़की या तो आपकी बहन हो सकती है, या पत्नी। कोई लड़का या तो आपका भाई हो सकता है या पति। इसके अलावा जैसे कुछ हो ही नहीं सकता। तो साहब मीरा क्या कृष्ण की बहन थी? या उनकी पत्नी थी? कुछ नहीं, बस कृष्ण उनके प्रेमी थे। क्या मीरा ने कभी ये कहा की कृष्ण अपनी पत्नी को छोड़ कर उनके हो जाए? नहीं कभी नहीं। मीरा ने दूर रहकर भी कृष्ण को ऐसे चाहा की अंत में कृष्ण में समा कर कृष्ण हो गई। ये है सच्चा प्यार। प्रेम करना बिलकुल ग़लत नहीं। प्रेम किया नहीं जाता हो जाता है। प्रेम कोई साजिश नहीं जो रची जाए। प्रेम एहसास है कब आँखों की खता दिल पर भारी पड़ जाए पता ही नहीं चलता। तो जो तुम कर ही नहीं सकते उसे रोकोगे भी कैसे। हाँ जो तुम कर सकते हो वो यें की प्रेम के नाम पर वासना में डूब जाओ। प्रेम न करो ये तुमपर निर्भर करता ही नहीं है। इसलिए प्रेम हो जाता है तो प्रेम करो, उसका सम्मान करो।

अपने साथी की तकलीफ़ें कम कर सकते हो, उन तक आने वाली हर तकलीफ़ों को ख़ुद से गुज़र जाने देकर दर्द बाँट सकते हो। प्रेम अगर सच्चा है तो कभी मर्यादाए नहीं टूटेंगी। जिससे प्रेम करते हो उसका जीवन बस महका दो। उसे लगे की वो कितना ख़ुशनसीब है कि आपके जैसा एक मित्र उसे मिला।

वैसे तो प्यार करना गलत नहीं होता लेकिन इसको लेकर आप कितने गंभीर है और रिश्ता किस प्रकार का है। इन बातों पर तय होता है कि आप गलत है या सही। इसको लेकर कानून या सामाजिक मान्यताओं के अलावा खुद से पूछें कि अगर आप अपने लग्न जीवन में सुखी है साथी से संतुष्ट है फिर भी ये कितना सही और गलत है।

प्रभा के बालदिवस

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रभा अउ शालू दूनोंझन सहेली रिहिसे। सँघरा खेलय-कूदय। पर दूनोंझन स्कूल नइ जावत रहैं। सबले बड़का समस्या की वो मन देवार जाति मा पैदा होय रिहिसे। तेखर कारण पढ़ई-लिखई ले बनेच दुरिहा रहैं। प्रभा ला पढ़े-लिखे के अब्बड़ सउँख रहै। दूसर लइका मन ला स्कूल जावत देखय बेग, कॉपी-किताब,रंगीन ड्रेस त ÷अगास म उड़े अस लागय। काश ! महूँ स्कूल जातेंव। ओखर जाति मा शिक्षा ला जादा महत्व नइ देवत रिहिसे।

प्रभा ह अपन माँ ल अब्बड़ जिद्द करे - ÷माँ महूँ स्कूल जाहूँ न वो... । दूसर ल देखथों त मोरो मन करथे। प्रभा के माँ प्रभा ला चुप करा दे - ÷काय करबे स्कूल जा के ?÷ हमर जाति मा पढ़ई-लिखई नइ करे; अउ टूरी मन तो अउ कुछू नइ कर सकँय। चुपचाप बोरी धर अउ जा कबाड़ी; कचरा ला बिन के लाबे, बेचबो तभे तो खाबो का ? कोन सा अफसर बनबे पढ़-लिख के ?÷

प्रभा चुपकन भीतरी मा चल दिस।

प्रभा - शालू ला अब्बड़ बोलय कि शालू चल न हमन घलो स्कूल जाबो। बढ़िया खेल-कूद अउ गाना सिखबो। शालू मना कर दे- ÷मोला सुउँख नइ हे । तहू झन जा।÷

प्रभा ला थोर-बहुत हिंदी बोले ला आ जावत रिहिसे। स्कूल के लइका मन ल बोलत देखे त वहू कोशिश करे। अचानक एक दिन बिहनिया ले प्रभा स्कूल जाय के ठान लिस। आज मैं दाखिला करवा के रहूँ। वोहा हिम्मत कर के ÷अंधियार म तीर चलाये÷ के सोचिस।

गुरुजी- ÷मोला पढ़ने का अब्बड़ सउँख है। लेकिन माँ-बाबू मन झन पढ़ कहते हैं। उहाँ के लइका मन ओखर हिंदी ला सुन के अब्बड़ मजाक उड़ावय। गुरुजी ह कुछ सोच-विचार कर के बोलिस कि ठीक हे कल ले आ जाबे।

प्रभा के खुशी के ठिकाना नइ रहै । प्रभा दउड़त शालू करा गिस अउ बताइस गुरुजी ह कल ले स्कूल बुलाये हे शालू। तहू जाबे का? शालू मुँह बनात बोलिस - ÷नहीं मोला नइ जाना हे। प्रभा ठीक हे ! तोर मन!÷ काहत घर चल दिस।

दूसर दिन प्रभा बोरी ल धरिस अउ चुपचाप घर ले निकल गे। घर वाले मन सोचिस के काम म जावत हे। शालू ल घर वाले मन ल बताये बर मना कर दे राहै।

प्रभा मन लगा के पढ़ाई-लिखाई करय। गुरुजी घलो खुश रहै ।ओखर देवार जाति के कारण ओला बहुत सारा परेशानी के भी सामना करना पड़ै। तभो ले प्रभा हार नइ मानय।

कुछ दिन बाद स्कूल मा बाल दिवस मनाये बर सूचना दे गिस। प्रभा ये सब नइ जानत रिहिसे की ये होथे का ? ओहर गुरु जी ले पूछिस- ÷गुरुजी बाल दिवस का होथे। ये दिन लइका मन बाल कटवाथे का ?÷ गुरुजी हाँस दिस। अउ बताइस- ÷हमर स्वतंत्र भारत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के जन्मदिन आय; अउ नेहरू जी ह लइका मन ला अब्बड़ मया-दुलार करै, तेखर सेती ये दिन स्कूल मन म बाल दिवस मनाथे अउ लइका मन ला चॉकलेट बाँटथे। हमर स्कूल म ये दिन जेन लइका पहला आय हे तेन ला इनाम घलो देबो। गीत, कविता, भाषण अउ सांस्कृतिक कार्यक्रम घलो होही।

प्रभा के मन मा चले लगिस कि मैं भी कुछ बोलहूँ।

शालू ला बाल दिवस के बारे म बताइस त शालू के कान म जूँ तको नइ रेंगिस।

बालदिवस म खेल-कूद, भाषण के सूचना गाँव भर फइलगे। जम्मो लइका के दाई-ददा मन स्कूल जाय बर तइयार होगे। दूसर दिन बालदिवस के आयोजन होइस त प्रभा के दाई-ददा घलो गे राहय अउ ओखर समाज वाले मन तको गेय राहैं। प्रभा के दाई के नजर प्रभा ऊपर परिस त ओखर बाबू ला कहिथे देखव तो वो हमर प्रभा हरै लगत हे ड्रेस पहिरे हे त चिन्हात घलो नइ हे। प्रभा के ददा के घुस्सा तरवा मा चढ़ गे। ये टूरी के अतेक हिम्मत के बिन बताये स्कूल आवत हे, आज तो घर म घुसे ल नइ दों। ओखर दाई घलो घुस्सा करे लगिस।

स्कूल म खेल-कूद अउ भाषण प्रतियोगिता होइसे। सब मा प्रभा भाग ले राहे। अउ जीतत भी रिहिसे। प्रभा अपन कक्षा मा पहिला आये रिहिसे, तेकर ईनाम के घोषणा उहाँ के बड़े गुरुजी करिस । जब नाम बताइसे त लोगन के पाँव तरी के जमीन खिसक गे। काबर की प्रभा पहला आये रिहिसे। जोरदार ताली बजाइस। सब के सब ।गुरुजी बताइस कि आज दुनिया म कोनों ल अशिक्षित नहीं रहना चाहिए। निरंतर प्रयास करना चाहिए। प्रभा के पढ़ई म लगन अउ मेहनत ल देख के मँय आगे पढ़ाये के सोचे हँव। येखर माँ-बाबू जी अउ पूरा देवार समाज ले निवेदन हे कि आप अपन समाज ल शिक्षित करव अउ एक दिन प्रभा ये काम ल पूरा करही। भाषण ल सुन के प्रभा के दाई-ददा अउ पूरा देवार समाज के आँखी म आँसू आगे। समझ म आइस की हमन गलत रेहेन। हमर लइका तो हीरा निकलगे। अउ बहुत खुश हो के ओला गला लगा लिस। सबझन ताली बजाइन। ये सब ल देख के शालू ला अब्बड़ पछतावा होवत रिहिसे कि काश ! महूँ प्रभा के बात मान लेतेव त आज ओखर संग मा खड़े रहितेंव।

तुम्हीं हो

अतुल पाठक
हाथरस
उत्तर प्रदेश

जिंदगी का हर श्रृंगार तुम्ही हो,
जिंदगी में आई बहार तुम्ही हो।
खुशियों का संसार तुम्ही हो,
दिल की चाहत प्यार तुम्ही हो।
मेरे चेहरे का हर नूर तुम्ही हो,
मेरी आंखों का सुरूर तुम्ही हो।
मस्त बहार और जिया तुम्ही हो,
खुले गगन सी प्रिया तुम्ही हो।
हर मुश्किल हालात में साथ तुम्ही हो,
अनमोल उपहार सौगात तुम्ही हो।
मन उपवन के महकने का एहसास
तुम्ही हो,
दिल की धड़कन के पास तुम्ही हो।

नये सफर की शुरुआत

प्रमेशदीप
मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

नये सफर की शुरुआत
आँखों मे जीने के चाह हो ऐसे
हालत बदले
जीने के तरीके सीखे,
पुरानी ख्यालात बदले
कर्तव्यों को सही तरीके से
करना ही कर्म है
जनहित मे हर कार्य करना
ही हमारा धर्म है
मानवता के विकास मे
जीवन अर्पण करते है
धीरे धीरे सही
कदम दर कदम आगे बढ़ते है
इन कदमों से चलकर
नये सफर मे जाना है
धीरे-धीरे ही सही
एक दिन मंजिल पाना है
ऐसे ही बढ़ते-बढ़ते एक दिन
इतिहास लिखेंगे
देखना एक दिन हम भी
नया किताब लिखेंगे
अरमानो की जिक्र होगी
सपने सुहाने होंगे
नये-नये अफसाने होगी
नये-नये तराने होंगे
यादों की वादों की
सारी बातें होगी किताब मे
बचपन और जवानी की
बातें होगी हिसाब मे
तो नये सफर की शुरुआत
आज से ही करते है
सबको साथ लेके चलेंगे संकल्प
आज करते है

जन्मदिवस है भोले मेरा

कार्तिकेय कुमार
त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

जन्मदिवस है भोले मेरा,
मैं भी कुछ तो मांगूंगा,
डोर बांध ली है तुमसे जो,
उसको कभी न छोडूंगा।
जन्मदिवस है ....
शब्द रंधे हो शहद में मेरे,
दिल ना किसी का बेंधू मैं,
जीवन के हर मोड़ पर सबका,
दिल प्रेम,प्यार से जीतूं मैं।
जन्मदिवस है .....
झूठ नहीं हो घृणा नहीं हो,
जन-जन में बस प्रेम बहे,
मैं अंतस में भोले देखूं,
भोले मुझको भगत कहें।
जन्मदिवस है ....
भूली-बिसरी यादों को भी,
साथ नहीं ले जाऊंगा,
श्वांसें भरी हैं जितनी मुझमें,
उतना भोले-भोले गाऊंगा।
जन्मदिवस है ....
चाहें कैसा कठिन दौर हो,
गम में डूबी कोई भोर हो,
होठों पर हों बस मुस्कानें,
और भोले से मन का जोड़ हो।
जन्मदिवस है ....
मांग रहा हूं बस मैं भोले ,
सबको मनभर खुशियां देना,
छूटे जब श्वांसों की गठरी,
हमको बस अपना लेना ।
जन्मदिवस है .....

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मुख्य सचिव ने ली वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा की बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सड़क सूरक्षा की बैठक ली। वीडियो कॉन्फ्रेंस में सरगुजा और बिलासपुर के कमिश्नर डॉ संजय अलंग संभागायुक्त कार्यालय सरगुजा से शामिल हुए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सोपानों के बारे में चर्चा की गई।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि लोगों के लिए सड़क सुरक्षा के मद्देनजर बेहतर परिणाम दिखना चाहिए। आवश्यकतानुसार मुख्य सड़क मार्गों में टेल लाइट और रिफ्लेक्टर लगाएं। मार्गों से पशुओं को हटाने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। इसके साथ ही लोगों से फीडबैक लेने की व्यवस्था करें। जहां पर मल्टीपल एक्सीडेंट हो रहे हैं वहां पर सीसीटीवी कैमरा और रेड लाइट आदि की व्यवस्था दुरूस्त करें और इसके साथ ही दुर्घटना के कारणों का पता लगाना भी जरूरी है। आम जनता की सहूलियत को ध्यान में रखकर सड़क सुरक्षा के मानक तय करें।

वर्चुअल बैठक में लोक निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग, परिवहन, तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

बाल नेत्र सुरक्षा सप्ताह 14 से 20 नवंबर तक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा स्कूली बच्चों के नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण हेतु बाल दिवस के अवसर पर प्रति वर्ष बाल नेत्र सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इसी तारतम्य में 14 से 20 नवम्बर तक जिले में बाल नेत्र सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस सिसोदिया ने बाल नेत्र सुरक्षा सप्ताह आयोजन के संबंध में बैठक लेकर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बाल नेत्र सुरक्षा सप्ताह में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। नेत्र सहायक अधिकारियों के द्वारा 06-15 वर्ष तक स्कूली बच्चों के दृष्टि की जांच कर चश्मा प्रदाय की जाएगी। नेत्र सर्जन एवं नोडल अधिकारी (अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम) डॉ रजत टोप्पो के द्वारा नेत्र सुरक्षा संबंधी जानकारी बच्चों को दी जाएगी।

छात्र-छात्राओं को अपने अधिकार एवं कर्तव्यों की दी गई जानकारी

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शासकीय कालिदास महाविद्यालय में जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय अग्रवाल एवं सिविल मजिस्ट्रेट समीर कुजूर द्वारा महाविद्यालय में विधिक सेवा दिवस के तत्वावधान में छात्र छात्राओं को अपने अधिकार एवं कर्तव्य से परिचय कराया गया। जिसके अंतर्गत महिलाओं को दहेज,सोशल मीडिया, निःशुल्क विधि सहायता एवं गरीब लोगों को निःशुल्क विधि सहायता की जानकारी दी गई। साथ ही साथ छात्र छात्राओं को अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक करते हुए एक आदर्श नागरिक के रूप में समाज मे प्रस्तुत होने की बात रखी। समस्त छात्रों को मन लगाकर पढ़ने एवं सोसल मिडिया का उपयोग सावधानी पूर्वक करने की बात बताई महाविद्यालय के प्रचार्य आर पी सिंह द्वार स्वागत करते हुऐ विधि को महत्ता को आम जीवन मे उपयोग करने की बात कही गई। अंत मे महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. गोपिस्वर साय द्वारा अतिथियों का आभार ब्यक्त किया गया और कहा गया कि इस तरह की जानकारी भविष्य में छात्रों के बीच दी जाय। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं छात्र छात्राये उपस्थित थे।

कार की टक्कर से घायल ग्रामीण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कार की टक्कर से घायल ग्रामीण की मौत इलाज के दौरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। वह बुधवार को अपने बेटे व नातिन के साथ बाइक से आधार कार्ड बनवाने जा रहा था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामायण उम्र 65 वर्ष सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम अभयपुर का रहने वाला था। वह 9 नवंबर को अपने बेटा सोमवार साय व नातिन के साथ आधार कार्ड बनवाने जा रहा था। रास्ते में माझापारा तालाब के पास पीछे से कार क्रमांक सीजी 10 ए डब्ल्यू 6246 के चालक ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में रामायण को गंभीर चोटें आई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस नेता श्यामलाल जायसवाल को धमकी भरा कॉल आने के बाद कार को किया आग के हवाले

» पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कांग्रेस नेता श्यामलाल जायवाल व उनके पुत्र के मोबाइल पर बुधवार की रात को धमकी भरा कॉल आने के बाद कार को आग के हवाले कर दिया। श्यामलाल जायसवाल के पुत्र आयुष जायवाल ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर के चोपड़ापारा निवासी श्यामलाल जायसवाल कांग्रेस के नेता हैं। बुधवार की रात करीब 1.30 बजे अज्ञात नंबर से इनके व इनके पुत्र आयुष जायसवाल को मोबाइल करीब 10 से 12 बार धमकी भरा कॉल आया। परेशान होकर श्यामलाल जायसवाल ने अपना मोबाइल बंद कर दिया। इसके बाद करीब 2.50 बजे घर के बाहर खड़ी कार क्रमांक सीजी 15 सीजेड 7777 को अज्ञात द्वारा आग लगा दी गई। सीसीटीवी से देखा तो वह घटना की जानकारी फायर ब्रिगेट को दी। दमकल की टीम मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। तब तक आग पूरी तरह जल चुकी थी। मामले की रिपोर्ट श्यामलाल जायसवाल के पुत्र आयुष जायसवाल ने गांधीनगर थाना में दर्ज कराया था। इन्होंने घटना को अंजाम देने में अपने पुराने ड्राइवर सरजू व राहुल तिर्की पर शक जाहिर किया था। इस मामले में गांधीनगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। शक के आधार पर पुलिस ने सरजू व राहुल को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों ने अपने एक अन्य दोस्त के साथ घटना को अंजाम देने की बाता स्वीकार की। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस मामले पुलिस ने आरोपी दीपक लकड़ा निवासी गंगापुर, सरजू केरकेट्टा निवासी बिलासपुर चौक व राहुल तिर्की निवासी दर्रीपारा के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दखिल कर दी है।

धूल से निजात दिलाने किया गया जल छिड़काव

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अम्बिकापुर-दरिमा-नवानगर सड़क चौड़ीकरण कार्य से उड़ने वाली धूल से निजात दिलाने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा टैंकर से पानी छिड़काव किया जा रहा है।

अम्बिकापुर से नवानगर तक सड़क चौड़ीकरण व नवीनीकरण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। सड़क खुदाई के पश्चात गिट्टी बिछाने के कारण वाहन चलने से भारी मात्रा में धूल उड़ता है जिससे राहगीरी को दिक्कत होती है।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने विगत दिनों इस मार्ग का निरीक्षण कर प्रतिदिन टैंकर से जल छिड़काव के निर्देश दिए थे।

आरएसएस के संघचालक डॉ. मोहन भागवत 15 नवंबर को अम्बिकापुर में

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का आगमन 15 नवंबर को अंबिकापुर में होगा। इससे पूर्व 14 नवम्बर को वह जशपुर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद स्व. दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा का अनावरण कर जनजाति गौरव दिवस पर आयोजित आमसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद 15 नवम्बर को अम्बिकापुर पहुंचेंगे। इनके आगमन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दो विभाग सरगुजा व कोरिया का संयुक्त पथ संचलन अम्बिकापुर के मुख्यमार्ग से होते हुए पीजी कॉलेज पहुंचेगी। पीजी कॉलेज ग्राउंड में लगभग 4 बजे संघ के सार्वजनिक कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत संबोधित करेंगे। इसके बाद 16 नवम्बर को आरएसएस के प्रचारकों की बैठक कर 17 नवम्बर की सुबह अम्बिकापुर से प्रस्थान करेंगें।

एमएसएसवीपी में एक और कन्या की कराई गई शादी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एमएसएसवीपी संचालिका डॉ. मीरा शुक्ला ने एक और युवती की शादी कराई है। शादी पूरी हिन्दू रिती रिवाज से कराई गई। मीरा शुक्ला अब तक 12 कन्याओं का विवाह करवाने के अलावा आदिवासी क्षेत्र की महिलाओं व बच्चों के लिए कई उत्कृष्ट कार्य कर चुकीं हैं। उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए 2 नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

अंबिकापुर की रहने वाली 28 वर्षीय आकांक्षा शादी डॉट कॉम साइट से अपने लिए वर चुन ली थी। पर आकांक्षा के पिता व भाई इस शादी के लिए मान नहीं रहे थे। कुछ दिन पूर्व लड़की महिला थाना पहुंच कर अपने पिता व भाई के खिलाफ शिकायत की थी। इसके बाद युवती को स्वधारगृह एमएसएसवीपी भेज दिया गया था। एमएसएसवीपी की संचालिका डॉ. मीरा शुक्ला द्वारा कांउंसिलिंग कराया गया। कांउंसिलिंग के दौरान भी युवती अपने मनचाहे वर से ही शादी करने पर अडिग़ थी। अंत में मीरा शुक्ला ने आकांक्षा की शादी कराने की फैसला की। वह लड़के से भी बात की। दोनों की राजामंदी के बाद शादी एमएसएसवीपी में ही 7 नवंबर को कराई गई। लड़का अंकित भिलाई का रहने वाला है और स्टील प्लांट में काम करता है। दोनों की शादी धूमधाम से एमएसएसवीपी परिसर में कराई गई। इस दौरान लड़के के माता-पिता के अलावा सगे संबंधी भी शामिल हुए। पर लड़की की ओर से कोई नहीं थी। इस दौरान डॉ. मीरा शुक्ला ने मां की फर्ज अदा कीं और कन्यादान कीं। शादी पूरी हिन्दू रिती रिवाज के साथ कराया गया। एमएसएसवीपी परिसर में ही मंडल सजाया गया था। सात फेरे भी हुए। शादी संपन्न होने के बाद मीरा शुक्ला ने अपनी बेटी की तरह ससुराल के लिए दुल्हे के साथ विदा कीं।

मतदाता सूची का किया प्रकाशन एवं वाचन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण तिथि 1 जनवरी 2023 एकीकृत मतदाता सूची का प्रकाशन 9 नवंबर 2022 को किया गया। इसके साथ ही जिले के समस्त मतदान केन्द्रो में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के द्वारा ग्रामवासी, वार्डवासी एवं मतदाताओं के समक्ष मतदाता सूची का वाचन किया गया।

सभी मतदान केन्द्र में एकीकृत मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही इसके विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का काम शुरू हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी जगह मतदाता सूची में नाम जोड़े जाने, विलोपित किये जाने या मतदाता सूची में दर्ज जानकारी संशोधित किये जाने के लिये 08 दिसम्बर 2022 तक आवेदन किया जायेगा। इन 30 दिनों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर 05 जनवरी 2023 को अंतिम प्रकाशन किया जायेगा।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने 08 दिसम्बर के बाद भी इसके सतत् अपडेशन के दौरान साल भर आवेदन कर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के लिये संशोधन इस बार एक अर्हता तिथि 01 जनवरी के स्थान पर 04 अर्हता तिथि 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर के लिये अग्रिम आवेदन लिया जायेगा। अगले वर्ष 2023 में इन चारों अर्हता तिथि में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने 09 नवम्बर 2022 से 08 दिसम्बर 2022 तक आवेदन जमा कर सकते हैं। जैसे ही उनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण होगी संबंधित तिमाही में उनका आवेदन प्रोसेस हो जायेगा, और उनका नाम मतदाता सूची में जुड़ जायेगा।

सीतापुर व मैनपाट क्षेत्र की 34 सड़कों का होगा नवीनीकरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत विकासखंड सीतापुर एवं मैनपाट की 34 सड़को नवीनीकरण होगा। इनमें से अधिकांश सड़कों कमी काम शुरू भी हो गया है। सीतापुर विकासखण्ड में 22 सड़कों के 81.23 किलोमीटर लंबाई हेतु नवीनीकरण के लिए 11 करोड़ 8 लाख 95 हजार रुपये तथा विकासखण्ड मैनपाट में कुल स्वीकृत 12 सड़कों के 50.99 किलोमीटर लंबाई हेतु 5 करोड़ 48 लाख 81 हजार रूपये की स्वीकृति शासन द्वारा प्राप्त हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीतापुर विकासखण्ड के गेरसा पटेलपारा से गिरूहुलडीह बैंगापारा, परसा खासपारा से बगडोली खासपारा, बनेया हरिजनपारा से एरेण्ड बहेरापारा, सरगा सुखनाथपारा से शिवनाथपुर खूधरपानी, ललितपुर खासपारा रोड़ से ललितपुर कठरापारा, एन.एच. 78 कटनी गुमला गिरूहुलडीह बैगापारा रोड़ से ललितपुर खासपारा, अम्बिकापुर रोड़ पेटला से कठबुढ़ा, सुरेशपुर खासपारा से धरमपुर खासपारा (यूजी), बखरीपारा से कोरवापारा, एन.एच. 78 कटनी गुमला गिरुहुलडीह बैगापारा आर.डी. 1.5 कि.मी. से राधापुर महुआपारा लंबाई, एन.एच. 78 कटनी गुमला नियर माण्ड रिवर-राधापुर तेन्दूपारा, एन.एच. 78 कटनी गुमला गिरूहुलडीह बैगापारा से आरा

नावापारा, बनेया हरिजनापारा से केरजू ढिगरापारा (एन.सी.), एन.एच. 78 कटनी गुमला रोड़ नियर माण्ड रिवर से हर्राटिकरा कोलतापारा, केरजू खालपारा से कुनमेरा बुढाआमा, गुतुरमा खासपारा से लिचिरमा खासपारा, एन.एच. 78 कटनी गुमला कि.मी. 432.62 से देवगढ़ मोरडापारा, देवगढ़ मोरड़पारा से देवगढ पण्डरीपानी . एन. एच. 78 कटनी गुमला रोड़ कि.मी 431.1 से बमलाया गौटियापारा, भरतपुर खासपारा रोड़ से भरतपुर जूनाडीह, एन.एच. 78 कटनी गुमला रोड़ 447 कि. मी. से लिचिरमा जोकडांड़, सोनतराई सूर से बखरीपारा शामिल है।

इसी क्रम में विकासखण्ड मैनपाट के नर्मदापुर- बिहीपारा से कंडराजा- मांझापारा, नर्मदापुर पटेलपारा से नर्मदापुर बैधवारपारा, कतकालो खूटनपारा से खरगांव रघुवांपारा, वंदना उपरपारा से कोट बैगापारा, पीडब्लयूडी मेन रोड़ से कठरापारा, नर्मदापुर काराबेल रोड़ (कि.मी. 20) से जजगा जामडीह, महारानीपुर प्योरपारा से पेट पटेलपारा, सरभंज्जा तिब्बती कैम्प से असगंवा सेरवापारा, कुनिया- बिजलहवा अमगांव रोड़ मालतीपुर- अहिरपारा से सपनादर- पुरानाटोला, कुनिया बिजलहवा अमगांव रोड़ मालतीपुर-अहिरपारा से सपनादर- पुरानाटोला, रोपाखार-पकरीपारा से कमलेश्वरपुर, कुनिया बिजलहंवा अमगांव रोड़ नियर तिब्बती कैम्प-7 से मालतीपुर-कलजीवा शामिल है।

पत्रकार के विरोध प्रदर्शन के बाद एसडीएम ने 20 दिनों बाद पुलिस अधीक्षक कोरिया को लिखा पत्र

» एसडीएम को फॉर्म में हस्ताक्षर करने के लिए नियम समझने लगे 20 दिन, फिर भी नहीं कर पाई हस्ताक्षर।

» मौका स्थल निरीक्षण कर पुलिस अधीक्षक कोरिया से एसडीएम ने प्रतिवेदन की मांग की।

» एसपी कोरिया ने बचरापोड़ी क्षेत्र को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया, क्षेत्र एमसीबी के एसपी के अंतर्गत होने का दिया हवाला।

» वेब न्यूज़ के बाद पत्रकार अपना समाचार पत्र करना चाहता है प्रकाशित, पत्रकार को टाइटल सत्यापन के लिए चाहिए एसडीएम की अनुमति।

» पत्रकार का आरोप उसे बेवजह परेशान कर उसके समाचार पत्र के टाइटल सत्यापन में एसडीएम बन रही बाधक।

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

20 दिन बाद मौका स्थल निरीक्षण कर पुलिस अधीक्षक कोरिया से एसडीएम ने प्रतिवेदन की मांग की,पुलिस अधीक्षक कोरिया ने बचरापोड़ी क्षेत्र को अपने अधिकार क्षेत्र से बताया बाहर,क्षेत्र एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक के अंतर्गत होने का दिया हवाला,वेब न्यूज के बाद पत्रकार अपना समाचार पत्र करना चाहता है प्रकाशित,पत्रकार को टाइटल सत्यापन के लिए चाहिए एसडीएम की अनुमति का इंतजार,पत्रकार का आरोप उसे बेवजह परेशान कर उसके समाचार पत्र के टाइटल सत्यापन में एसडीएम बन रही बाधा। कोरिया जिले के बैकुंठपुर अनुविभाग की एसडीएम पर एक पत्रकार ने आरोप लगाते हुए कहा कि एसडीएम उसे बेवजह परेशान कर रहीं हैं और उसके द्वारा समाचार पत्र के टाइटल सत्यापन के लिए आवेदन पर नियमानुसार कार्यवाही करने की बजाय एसडीएम उसे दिनों के चक्कर मे उलझा रही हैं और उसे परेशान कर रहीं हैं।

बता दें कि कोरिया राजस्व जिले के बचरापोड़ी क्षेत्र के पत्रकार ने जो अभी तक वेब न्यूज़ चलाया करता था ने समाचार पत्र प्रकाशन का निर्णय लिया और उसने टाइटल सत्यापन हेतु एसडीएम कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया और आवेदन दिवस से ही उसे परेशान किया जा रहा है और उसके आवेदन पर विचार करने की बजाए उसे अब स्थल निरीक्षण के बहाने उलझाया जा रहा है और समय टाला जा रहा है। पत्रकार ने बताया कि उसके आवेदन पर जहां सीधी कार्यवाही होनी थी उसकी जगह अब पुलिस अधीक्षक कोरिया को पत्र लिखकर एसडीएम बैकुंठपुर स्थल निरीक्षण कर प्रतिवेदन की मांग कर रहीं हैं और जिसके जवाब में पुलिस अधीक्षक कोरिया ने भी बचरापोड़ी क्षेत्र को अन्य जिले अंतर्गत बता कर मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया और पत्रकार का आवेदन पुनः उसी स्थिति में पड़ा हुआ है। भारत सरकार की संस्था रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर फ़ॉर इंडिया के लिए कहीं भी टाइटल वेरिफिकेशन के लिए स्थल निरीक्षण का जिक्र नहीं है यह भी पत्रकार का कहना है। पत्रकार ने कहा कि कुल मिलाकर एसडीएम की मंशा उसे परेशान करने की है और वह कर रही हैं।

यह है मामला

कोरिया जिले का एक पत्रकार आरएनआई में आवेदन किया था और उस आवेदन में नियम अनुसार एसडीएम का हस्ताक्षर होना था जिसके लिए उसने फॉर्म के साथ सारे दस्तावेज एसडीएम कार्यालय में जमा किए, जिसमें एसडीएम ने कहा कि मैं नियम को समझ कर इसमें हस्ताक्षर करूंगा पर 15 दिन बीत जाने के बावजूद भी एसडीएम मैडम ना हस्ताक्षर की और ना नियम जान पाई, उधर पत्रकार का समय अवधि बीत रहा था जिसे लेकर उसने एसडीएम मैडम को कहा कि मैडम हस्ताक्षर जल्दी चाहिए क्योंकि समय सीमा पर आवेदन को दिल्ली पहुंचना है पर एसडीएम मैडम ने कहा मैं अभी तक नियम को समझ नहीं पाई हूं समझने दीजिए अब 15 दिन बाद की मैडम नियम समझ नहीं पाई और ना ही पत्रकार के आवेदन में हस्ताक्षर हो पाया पर सवाल यह है कि ऐसा कौन सा नियम था की मैडम को समझने में 15 दिन लग गए और नियम समझ में नहीं आया, इसके बाद पत्रकार नाराज होकर एसडीएम कार्यालय के सामने ही धरने पर बैठ गया, जबकि पत्रकार की माने तो आवेदन बहुत सामन्य था, उसमें चरित्र प्रमाण पत्र की जानकारी मांगी गई थी जो एसडीएम को देना था, मैडम चाहती तो पुलिस विभाग से सत्यापन करा उसमें हस्ताक्षर कर सकती थी पर ऐसा नहीं किया ना जाने ऐसा कौन सा नियम पता कर रही थी नहीं कर पाई।

खनिज अमले ने अवैध रेत परिवहन में लगे दो ट्रैक्टर को किया जब्त

- संवाददाता -
कोरबा, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में अवैध रेत परिवहन में लगे दो ट्रैक्टर को खनिज अमले ने किया जब्त । मामले में जानकारी देते हुए विभाग ने बताया कि कलेक्टर के आदेशानुसार तथा जिला खनिज अधिकारी के निर्देशानुसार अवैध रेत परिवहन में कार्यवाही करते हुए सीतामढी से 01 ट्रैक्टर (CG 12 BF 9923) को उरगा नाका में तथा छुरा कछार से 1 ट्रैकर (सोनालीका सोल्ड) को जब्त करके हरदीबाजार नाका में अभिरक्षा में रखा गया है । जिसमे MMDR एक्ट 1957 के धारा 21 के तहत कार्यवाही की जाएगी ।

लकड़ी तस्कर के हौसले बुलंद हर महीने पिकअप वाहनों से हो रहा अवैध इमारती लकड़ी का परिवहन

- पृथ्वीलाल केशरी-
वाड्रफनगर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिला अंतर्गत उत्तर प्रदेश झारखंड सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार अवैध लकड़ी की कटाई कर पिकअप से परिवहन करते हैं अवैध वन लकड़ी तस्कर पकड़े जा रहे हैं ।

छत्तीसगढ़ की लकड़ी उत्तर प्रदेश में पकड़ी गई प्राप्त जानकारी के अनुसार वाड्रफनगर वन परीक्षेत्र से लकड़ी के 7 नग बोटा पिकअप में लोड कर उसके ऊपर बैगन की बोरी तथा धान की भूसी के नीचे लकड़ी लोड कर उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था जिसकी सूचना मुखबिर के द्वारा वाड्रफनगर के वन कर्मी को मिली थी वन विभाग के 5 सदस्य टीम गश्त पर निकली सूचना मिलते ही वन टीम अवैध रूप से ले जा रही लकड़ी पिकअप वाहन के पीछे पड़ गई पिकप वाहन छत्तीसगढ़ राज्य पार करते हुए 40 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश राज्य के के रन टोला रेलवे क्रॉसिंग पर पिकप खड़ी थी रेलवे क्रॉसिंग की गेट बंद थी तभी वन विभाग की टीम पिछे पिछे रन टोला रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंची तथा वाहन को पकड़ने में सफलता हासिल की है पिकप वाहन को पकड़ वाड्रफनगर के रेंज ऑफिस में ले आये मौके से ड्राइवर फरार हो गया लकड़ी लदी हुई वाहन पकड़ी गई है।

(1) अवैध लकड़ी परिवहन को रोकने वन विभाग को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता

(2) तस्कर जंगलों में हरे भरे पेडों को काटकर और पिकअप से जंगलों में लोड करते हैं वन कर्मचारियों को भनक तक नहीं लगती

(3) मुखबिर की सूचना पर अवैध लकड़ी तस्कर पिकप मे परिवहन करते पकड़े जाते हैं

(4) कहीं ना कहीं वन बिट रक्षकों की ड्यूटी पर सवाल खडा होता नजर आ रहा

(5) छत्तीसगढ़ राज्य के जंगलों से अवैध लकड़ियों को ले जाकर उत्तर प्रदेश राज्य में मोटी रकम पर बेचकर खापाया जाता है

जिसकी जांच वन विभाग के द्वारा कार्यवाही की जा रही है लकड़ी की कीमत वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया लगभग दो लाख रुपये लकड़ी की कीमत होगी वाहन क्रमांक यूपी 64 डी 8429 है।

वाड्रफनगर वन परीक्षेत्र रेंजर प्रेमचंद्र मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि हमारी लगातार कार्रवाई चल रही है जैसे ही सूचना मिलती है हमारी टीम अवैध लकड़ी तस्करों को पकड़ने में कामयाब होते हैं।

इस कार्यवाही में वन कर्मचारियों मे सुरेश प्रसाद यादव वनपाल, पवन रूपहौलिया वनपाल ,मथुरा प्रसाद वनरक्षक, संजय श्रीवास्तव वनरक्षक, सतीश सिंह वनरक्षक का विशेष योगदान रहा।

युवती की शिकायत पर दो बार एक ही व्यक्ति पर छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज,4 महीने बाद गिरफ्तारी

» युवती की शिकायत पर दो बार एक ही व्यक्ति पर छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज, 4 महीने बाद गिरफ्तारी।

» क्या मनेंद्रगढ़ पुलिस 4 महीने तक मामला पंजीबद्ध कर शो रही थी, अचानक थाना प्रभारी को आया सपना रात 1 बजे आरोपी को बुलाया थाना?

» आरोपी स्वयं पहुंचा थाना, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय, जमानत याचिका खारिज, आरोपी को जाना पड़ा जेल।

» पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर युवती के खिलाफ मनेन्द्रगढ़ थाना प्रभारी ने क्यों नहीं किया मुकदमा दर्ज ?

» मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी के कार्यवाही पर आखिर क्यों बार-बार होती है शिकायत ?

मनेंद्रगढ़ 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ निवासी बलविंदर सिंह को विवाहित महिला के साथ छेड़खानी करने तथा मोबाइल फ़ोन पर अश्लील शब्दों के उपयोग करने पर मनेन्द्रगढ पुलिस ने गिरफ़्तार कर जेल दाखिल कर दिया, बीते रात लगातार महिला को फ़ेसबुक व वाह्टशाप पर जान से मारने व अश्लील तस्वीरें भेजने पर महिला की शिकायत पर पुलिस द्वारा 4 महीने बाद गिरफ़्तार किया गया। न्यायालय ने आरोपी की ज़मानत आवेदन ख़ारिज कर उप जेल मनेन्द्रगढ में भेजने का आदेश जारी किया।

पुलिस से लोगों का भरोसा इसलिए ही उठता जा रहा है क्योंकि पुलिस सही तरीके से काम नहीं कर रही, प्रार्थी से लेकर आरोपी तक पुलिस पर लगाते हैं आरोप, आरोप लगे भी तो क्यों ना लगे क्योंकि पुलिस करती भी है कुछ ऐसा ही, एक युवती की शिकायत पर दो बार अलग-अलग छेड़छाड़ का मामला एक व्यक्ति पर दर्ज किया गया, एक बार गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, दूसरी बार फिर छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया, अपराध दर्ज करने के 4 महीने तक आरोपी शहर में बिंदास घूमता रहा और युवती बार-बार थाने के चक्कर काटती रही, अंततः ना जाने 4 महीने बाद पुलिस को क्या सपना आया कि आरोपी को घर से बुलवाया रात के 1 बजे गिरफ्तार किया और अगले दिन न्यायालय पेश किया, जहां पर न्यायालय ने लगी जमानत याचिका को खारिज किया, जिसके बाद आरोपी को जेल जाना पड़ा पर, सवाल यह है कि जहां युवती ने 4 महीने तक घूम रही थी और गिरफ्तारी नहीं हो रही थी, वही चार महीने बाद ऐसा क्या हुआ कि पुलिस को फिर गिरफ्तार करना पड़ा कहीं ना कहीं पुलिस की कार्यवाही में कुछ ना कुछ तो गड़बड़ है जिस वजह से आरोपी से लेकर शिकायतकर्ता तक असंतोष देखने को मिला।

आरोपी का आरोप मेरी शिकायत पर पुलिस ने नहीं किया मामला दर्ज

शिकायतकर्ता बतावदर सिंह कोहली साई बाबा तिराहा मनेन्द्रगढ़ निवासी ने शिकायत के अनुसार पिछले दिनों हुए एक घटनाक्रम में थाना मनेन्द्रगढ़ की मनमानी उजागर हुई है। मनेन्द्रगढ़ बस स्टैंड के होटल व्यवसायी द्वारा थाना मनेन्द्रगढ़ में एक युवती के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करवाई गई। व्यवसायी ने लिखित आरोप लगाया कि एक युवती जबरन उसके आवास में घुस गई और उसकी माँ के साथ गाली गलौच मार पीट को अंजाम दिया। इसकी मौखिक सूचना व्यवसायी ने मोबाइल द्वारा थाना प्रभारी को दी। युवती यहीं नहीं रुकी शाम को उसके व्यवसायिक प्रतिष्ठान में दाखिल हुई और गाली गलौच मारपीट करते हुए गल्ले पर हाँथ साफ कर दिया। आहत व्यवसायी इसकी शिकायत दर्ज करवाने थाने पहुंचा युवती थाने में मौजूद थी। युवती ने थाने में ही दरोगा और पुलिस अधिकारियों के समक्ष व्यवसायी से मारपीट की तथा आवेदन फाड़ दिया। अब जानकारी के अनुसार युवती की शिकायत पर व्यवसायी के विरुद्ध ही मामला पंजीबद्ध कर दिया गया है। व्यवसायी का आरोप है कि युवती की शिकायत पर एक ही धारा के अंतर्गत एक वर्ष के भीतर दो मामले थाने द्वारा पंजीबद्ध किए गए हैं जबकि एक मामला पूर्व से ही माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।

मनेन्द्रगढ़ थाना प्रभारी पर एकपक्षीय कार्यवाही का आरोप-

शिकायतकर्ता बतावदर सिंह का आरोप है की स्थानीय महिला के विरुद्ध मनेन्द्रगढ़ की शिकायत दिनांक 06.02.2021 में तहत प्रार्थी के विरुद्ध थाना मनेन्द्रगढ़ द्वारा धारा 323, 506, 384 (आईपीसी) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। उक्त प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन है, दिनांक 11.08.2022 को स्थनीय महिला प्रार्थी के आवास में आकर प्रार्थी की माता श्रीमती हरजित कौर के साथ गाली-गलौज मारपीट की गई जिसकी सूचना उसके द्वारा थाना प्रभारी को फोन से दी गई, दिनांक 13.08.2022 की शाम को पुन स्थानीय महिला प्रार्थी के होटल में पुनः आई तथा प्रार्थी के साथ मारपीट गाली-गलौज की जिसकी लिखित शिकायत थाने में प्रार्थी के द्वारा की गई। शिकायत करने के दौरान स्थनीय महिला द्वारा थाने में पुलिस कर्मियों के समक्ष माँ बहन की गाली-गलौज की तथा आवेदन की कॉपी फाड़ दी गई। जो कानून द्वारा प्रदत्त महिला अधिकारों का लगातार दुरूपयोग किया जा रहा है और थाना मनेन्द्रगढ़ द्वारा बार-बार एकपक्षीय कार्यवाही से प्रार्थी मानसिक तौर पर पीड़ित प्रताडित महसुस कर रहा है।

ग्राम पंचायत ढोंढातराई में पेंशन पाने भटक रहे वृद्धजन

जिम्मेदार नहीं देते ध्यान

- संवाददाता -
कोरबा, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के जनपद पंचायत करतला अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत ढोंढातराई में सरपंच-सचिव की लापरवाही से दर्जनों पात्र वृद्धजन और विधवा महिलाएं पेंशन से अब तक वंचित हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार सचिव तथा सरपंच को पेंशन के लिए आवेदन किया , परंतु अब तक उन्हें पात्रता सूची में शामिल नही किया गया। इन ग्रामीणों में भूकिन बाई, गंगाबाई, रामायण सिंह, शुकवारा बाई सहित कई अन्य शामिल है। ग्रामीणों के अनुसार उन्होंने कई बार सचिव के पास आवेदन जमा किया था जिसके बाद भी उनका नाम पेंशन सूची में नही आया है। वृद्ध हो जाने से पेंशन ही एक मात्र उनका सहारा है जो अपनी जरुरी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक है। कुछ पेंशनधारी ऐसे भी हैं जिन्हें 4-5 महीनों से पेंशन नही दिया गया है। पेंशन के लिए भटक रहे वृद्धजनों ने बताया कि वे 3 वर्षो से आवेदन करते आ रहे हैं ,उसके बाद भी पेंशन की स्वीकृति अभी तक नही मिली है। ग्राम ढोंढातराई के जोंगरापारा मोहल्ले की वासी भुकीन बाई ने बताया कि उन्होंने कई बार पेंशन के लिए आवेदन किया , उसके बाद भी उन्हें पेंशन नही मिल रहा है। सरपंच-सचिव इस ओर ध्यान नही दे रहे है। रामायण सिंह ने बताया कि वो पिछले 03 वर्षो से पेंशन का फॉर्म भर रहे है ,इसके बाद भी उन्हें पात्रता सूची में शामिल नही किया गया है।

कार्यालयों में सामग्री खरीदी के लिए कर्मचारियों पर बनाया जाता है दबाव

व्यापारी की करतूत से परेशान हैं शासकीय कर्मचारी,आर्डर न देने पर आरटीआई लगाने की भी दी जाती है धमकी।

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

कोरिया जिले के विभिन्न शासकीय विभागो के कर्मचारी इन दिनों जिला मुख्यालय के एक व्यापारी की करतूत से परेशान हैं, व्यापारी द्वारा कार्यालयों में जा कर गलत तरीके से अमर्यादित भाषा का उपयोग करते हुए स्टेषनरी व अन्य सामग्री खरीदी उसी की फर्म से करने का दबाव बनाया जाता है। किसी उलझन में न पड़ने के डर से कर्मचारी वर्ग इसके खिलाफ आवाज नही उठा पा रहे हैं लेकिन इससे उनमे असंतोष व्याप्त है। कर्मचारियों का मानना है कि वह खरीदी के लिए बिल्कुल स्वतंत्र हैं और कलेक्टर दर पर अधिकृत किसी भी दुकान से स्टेषनरी आदि सामान की खरीदी कर सकते हैं। तो वहीं एक व्यापारी द्वारा इस प्रकार का कृत्य किये जाने से अन्य व्यापारियों की साख पर भी असर पड़ रहा है।

जिले में शासकीय कार्यालयों में स्टेषनरी सामग्री की खरीदी हेतु प्रति वर्ष कलेक्टर कार्यालय द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती है जिसमें कि विभिन्न व्यापारियों द्वारा निविदा प्रकिया में भाग लिया जाता है जिसके बाद प्रक्रियाओं के तहत स्टेषनरी सामग्री की एक निष्चित दर तय कर दी जाती है जिसके तहत शासकीय विभागों के द्वारा स्वतंत्र रूप से किसी भी दुकान से स्टेषनरी सामग्री की खरीदी समय-समय पर की जाती है। शासकीय विभाग भी किसी एक दुकान से खरीदी के लिए बाध्य नही होते यह प्रक्रिया विगत कई वर्षो से जारी है। लेकिन इन दिनों जिला मुख्यालय के एक नामी व्यापारी को खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे की तर्ज पर अनेक शासकीय कार्यालयों का चक्कर लगाते हुए आसानी से देखा जा सकता है। उसके द्वारा कार्यालयों में घूमघूम कर खुद को व्यापारी वर्ग का सर्वेसर्वा बताया जाता है और कर्मचारियों पर दबाव बनाया जाता है कि वे उसकी ही दुकान से स्टेषनरी व कम्प्युटर सामग्री आदि की खरीदी करें। इस बारे में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उक्त व्यापारी का नाम लेते हुए

बतलाया कि उसके द्वारा कार्यालय में आकर अपना धौंस दिखाया जाता है और बहुत ही गंदे तरीके से अमर्यादित व्यवहार भी किया जाता है। व्यापारी द्वारा यहां तक धमकी दी जाती है यदि उसे सामग्री का आर्डर नही दिया जाएगा तो सूचना के अधिकार के तहत आवेदन लगाकर परेषान भी किया जाएगा। यही नही उक्त तथाकथित व्यापारी के द्वारा किसी दुसरे दुकान से खरीदी करने पर भविष्य में देख लेने की धमकी तक दी जाती है। व्यापारी द्वारा कार्यालयों में जाकर इस प्रकार का कृत्य और दबंगई दिखाने से कर्मचारी वर्ग खुद को डरा महसूस करते हैं और किसी उलझन में न पड़ने के डर से आगे कुछ बोलना नही चाह रहे हैं। कर्मचारियों ने बताया कि इन दिनों व्यापारी द्वारा छोटे कर्मचारियों पर गलत तरीके से दबाव बनाया जा रहा है जो कि कहीं से उचित नही है। अगर व्यापारी द्वारा ऐसा ही कृत्य किया जाएगा तो फिर जल्द ही रणनीति तैयार कर कर्मचारी संघो के माध्यम से कलेक्टर से मिलकर इसकी षिकायत की जाएगी।

वहीं इस बारे में बतलाया जाता है कि उक्त व्यापारी द्वारा पिछले कई वर्षो से कार्यालयों में जाकर धमकी चमकी की जाती है और अपने पद व जबरन पहुंच का प्रभाव दिखाकर खरीदी आदि के लिए गलत तरीके से दबाव बनाया जाता है जिससे कि कर्मचारी समेत व्यापारी वर्ग भी खासे परेषान हैं लेकिन इस प्रकार गलत कृत्य से अन्य व्यापारी परेषान है और धीरे धीरे आवाज बुलंद कर रहे हैं। कुछ शासकीय कर्मचारियों द्वारा बतलाया गया कि उक्त व्यापारी द्वारा पूर्व में स्थानीय विधायक व संसदीय सचिव के नाम लेकर भी खरीद के लिए दबाव बनाया गया है। एक व्यापारी द्वारा इस प्रकार का कारनामा अन्य व्यापारियों के लिए भी गले का फांस बन गया है। व्यापार में इस प्रकार का कृत्य शायद और कहीं नही होता लेकिन यहां के व्यापारी द्वारा ऐसा किया जाना व्यापारी वर्ग के लिए बहुत ही हानिकारक है।

किस फर्जी कंपनियों के नाम पर चिरमिरी निगम में हो रहा है बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार ?

» क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि का वरदहस्त प्राप्त ठेकेदार कर रहा है बेहद घटिया और गुणवत्ताविहीन कार्य।

» पुराना एसओआर, महंगाई चरम पर 50 से 60 प्रतिशत बिलों लेकर कैसे होगा गुणवत्तापूर्ण निर्माण, समझ से परे?

» जिम्मेदार अधिकारियों और अभियंताओं की स्थिति संदिग्ध।

-रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 10 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

नगर निगम चिरमिरी में एक ठेकेदार का बड़ा बोलबाला है सत्ता किसी की भी हो सभी से अपने बढ़िया सेटिंग बनाकर उनकी अपेक्षाओं की पूर्ति कर निर्माण, सप्लाई, खरीदी, सहित निगम के सभी फर्जी कार्य जो बिना टेंडर गुपचुप तरीके से कराए जाते हैं, उन सब का भुगतान कुछ फर्म पर लगातार किया जाता रहा है, आज भी यह ठेकेदार निगम के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का खासम खास बना बैठा है, नगर निगम में लगभग दो दर्जन ठेकेदार हैं उन ठेकेदारों की फाइलें कई महीनों और कई सालों से लंबित हैं उन फाइलों का भुगतान नही हो पा रहे हैं, वही चहेते ठेकेदार का कार्य अधूरा रहता है उसका भुगतान दूसरे मदों का पैसा निकाल कर पूरा कर दिया जाता है, जांच होतो क्षेत्र में अनेकों उदाहरण देखने को मिलेंगे, निगम के जनप्रतिनिधि और निगम के बड़े साहब का मधुर संबंध बताया जाता है पिछले सात-आठ सालों में इसके द्वारा चिरमिरी की सभी टॉप ठेकेदारों को पछाड़ कर आज नंबर एक ठेकेदार के रूप में अपनी ख्याति बनाकर लगभग सभी कार्य 50 से 60 प्रतिशत बिलों में लेकर यह ठेकेदार निर्धारित मापदंड में मटेरियल ना डाल कर खूब भ्रष्टाचार कर रहा है, इसके सभी कार्यों की शिकायत की जाती है किंतु धृतराष्ट्र बने अधिकारी इसके बेहद घटिया निर्माण कार्यों की जांच भी नहीं करते और महज कुछ घंटों में उसके खाते में राशि भी आवंटित कर दी जाती है।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियो की ठेकेदार करते है अच्छी खातिदारी

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियो के सेवक के रूप में ख्याति प्राप्त यह ठेकेदार बड़ी महंगी महंगी तीन गाड़ियां इनकी सेवा के लिए रखता है, रायपुर के महंगे होटलों में भी काफी अच्छी पकड़ भरता है जहां वह आवश्यकता के अनुरूप अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की सेवा करता है ऐसो आराम और शान शौकत की सभी चीजें इसके पास मौजूद हैं यही वजह है कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी आंख बंद करके इसके गलत कार्यों को कर रहे हैं, ठेकेदार निगम में शाम छ बजे पहुंच जाता है इसके पहुंचने के बाद ऑफिस का माहौल बड़ा खुशनुमा और रंगीन सा हो जाता है बड़े गेट में ताला लगा दिया जाता है इस दौरान आम आदमी की दखल पूरी तरह बंद रहती, देर रात तक अधिकारियों और इंजीनियरों से मिलकर अपने काले कारनामे करते रहता है।

महंगाई के दौर में कैसे हो रहा 40 से 30 प्रतिशत में काम

इतनी महंगाई के इस दौर में जहां बेहतर गुणवत्ता युक्त कार्य करने वाले ठेकेदार अब कार्य करने में अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं पुराना एसओआर है महंगाई चरम पर है उसके बाद भी 100 रूपए का काम को मात्र 40 रूपए और 30 रूपए में करने को तैयार है और एसईसीएल निगम में कई करोड रुपए के कार्य इसके अभी भी चल रहे हैं सभी 60 से 70 प्रतिशत बिलो बताए जाते हैं। विदित हो कि चिरमिरी नगर निगम इन दिनों भ्रष्टाचार में पूरा डूबा हुआ है, सारे जनप्रतिनिधि और अधिकारी सिर्फ शासकीय राशि में अपनी अधिक से अधिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने में लगे हैं, जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने मद का 70 प्रतिशत एक व्यक्ति के नाम पर फर्जीवाड़ा कर उससे बिल प्राप्त कर शासकीय राशि का बंदरबांट कर रहे हैं जिसका जीता जागता उदाहरण इन दिनों स्वच्छता के जागरूकता के नाम पर पिछले दिनों दस लाख रुपए की राशि सीधे-सीधे डकार जाने की खबर मिल रही है।

क्या अभियंता ठेकेदार का काफी करीबी है

इन दिनों रायगढ़ से 3 माह पूर्व स्थानांतरण हो कर एक अभियंता ठेकेदारो का काफी करीबी बताया जाता है उसकी पदस्थापना के बाद निगम में लूट सी मच गई है निगम कार्यालय के अनावश्यक कार्य जिन की आवश्यकता नहीं है लेकिन कमीशन खोरी के इरादे से शासकीय राशि का बंदरबांट का खेल खेला जा रहा है इंजीनियर सप्ताह में 2 दिन रायपुर से आता है और इसकी सभी फाइलों को चेक करता है और भुगतान करा कर दूसरे दिन ठेकेदार द्वारा प्रदत कार से रायपुर चला जाता है, यह इंजीनियर निगम का ऑपरेशन रायगढ़ में अटैच था, वहां भी काफी भ्रष्टाचार किया उसे सजा के तौर पर चिरमिरी निगम भेजा गया था लेकिन कहते हैं कमाने वाला हर जगह अपना जुगाड़ बना ही लेता है, वाली कहावत चरितार्थ करते हुए निगम के सभी मदों में डाका डालने का कार्य ठेकेदार के दोनों फर्मों में लगातार कर रहा है 40 वार्डों में विभिन्न निर्माण कार्यों को किए जाने हेतु जोन वाले कार्यों को ठेकेदार ने ले रखा है उसमें किसी भी तरह का कार्य नहीं किया गया है सिर्फ फर्जी बिल बनाए जा रहे हैं, 50 प्रतिशत निगम के कर्ण धार लेते है 50 प्रतिशत अधिकारी लेता है इस पद्धति पर लगातार चेक काटे जा रहे हैं, निगम मद जो सिर्फ अधिकारियों कर्मचारियों के मासिक वेतन हेतु शासन ने उस मद को सुरक्षित किया है उस समय से भी काफी राशि निकाली जा रही है, यही वजह है कि निगम में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा है।

इन कार्यो में भी हुई दिखी अनिमतता

सूत्रों की मानेतो तालाब में बना छठ घाट में ठेकेदार अल्लू मटरू और निगम के अभियंता के द्वारा मिलकर काफी भ्रष्टाचार किया गया है जो काम पूर्व में किए गए थे उन कामों में पुनः दूसरा निर्माण बताकर फर्जी तरीके से टेंडर लगाकर करोड़ों रुपए निकाले गए हैं, वही कॉलोनी की पुलिया और रिटर्निंग वालों जो महज कुछ लाख रुपए में बन जानी थी लगभग 3 से 4 करोड रुपए रिटर्निंग वॉल और सीसी रोड के नाम पर पैसे निकाले गए है, भ्रष्टाचार की सीमा यहीं पर खत्म नहीं होती जोन के काम पिछले कई साल से यह ले रहा है, यदि हम पिछले 5 साल के कार्यों की समीक्षा करें तो कार्य ही नहीं हुए, सिर्फ फर्जी बिलों के आधार पर राशि का बंदरबांट किया गया है, अभी भी वह जोन का निर्माण कार्य इसी ठेकेदार के पास है, इसके पूरे भ्रष्टाचार में पिछले 20 सालों से अंगद की तरह पैर जमा कर बैठे अभियंता सोनकर और साहू जी की स्थिति काफी संदिग्ध है इन दोनों अभियंताओं कि इसके कार्य में पार्टनरशिप भी बताई जाती है, इन दोनों अभियंताओं की शिकायत कोरिया कलेक्टर सहित जल्द ही ईओडब्लू व सरकार की विभिन्न जांच एजेंसियों में इनकी शिकायत की जाने की रूपरेखा तय की जा रही है, आगामी दिनों और भी इस के काले कारनामे हमारे में समाचार पत्र के माध्यम से उजागर किए जाएंगे।

विजेंद्र सिंह सारथी कमिश्नर नगर निगम

इन से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि सारे टेंडर कम दर पर ही नहीं अधिक दर पर भी होते हैं, कौन से खरीदी फर्जी नाम पर हो रहा है इसकी जानकारी दें तो मैं उसका बिल रोक दूंगा, कार्यालय बंद होने के बाद कौन ठेकेदार आता है इसकी जानकारी में ले लेता हूं यदि ऐसा होगा तो जरूर कार्रवाई होगी।

जिले के नगरीय प्रशासन क्षेत्र में राशन के लिए भटक रहे उपभोक्ता

- संवाददाता -
रामानुजगंज 10 नवंबर 2022
(घटती घटना)

जन वितरण प्रणाली के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा प्रत्येक माह के 1 तारीख को चावल उत्सव के रूप में सभी राशन दुकानों को खोलने का निर्देश दिया गया है किंतु बलरामपुर रामानुजगंज जिले में रामानुजगंज बलरामपुर वाड्रफनगर के नगरीय क्षेत्र में विगत 10 दिनों से सभी दुकानें बंद पड़े हुए हैं उपभोक्ता दुकानों को बंद देखकर वापस लौट रहे हैं जो पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपभोक्ता भंडारों में बताया जा रहा है कि ग्राहक के सूची अनुसार दुकानों को पूरा माल उपलब्ध नहीं कराया गया है इसी कारण से दुकान नहीं खुल रही है। जितना चावल वितरण किया जाता है उसके अनुपात में आधा चावल भी दुकान वाले को वितरण हेतु नहीं दिया गया है वही चना और चीनी अभी तक आया ही नहीं है जिसके कारण रामानुजगंज बलरामपुर वाड्रफनगर के उपभोक्ता परेशान है।

दस हजार से अधिक मासिक आय वालों का राशन कार्ड कब होगा रद्द

नए कानून में वैसे व्यक्ति जिनकी आय मासिक 10 हजार से अधिक है तो उनका राशन कार्ड रद्द किया जाएगा। विभाग की मानें तो चार पहिया वाहन, सरकारी नौकरी,आयकर भरने,एक सिंचाई वाले उपकरण के साथ ढाई एकड़ सिंचित भूमि, पांच एकड़ सिंचित भूमि, व्यावसायिक टैक्स भरने या अन्य संसाधनों से संपन्न लोगों को राशन कार्ड का लाभ नहीं दिया जाना है, लेकिन कई ऐसे परिवार भी हैं जो अपात्र होने के बावजूद योजना का लाभ ले रहे हैं।

जिले में खुलेआम चल रहा राशन की कालाबाजारी

जिले में एपीएल राशन कार्ड की जांच कराई जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं इस मद में मिलने वाले चावल या तो लोग उठा नहीं रहे हैं या जो लोग उठा रहे हैं वे लोग स्थानीय दुकानदारों के पास जाकर 16 से 18 रुपए किलो के रेट से बेच दे रहे हैं।

एपीएल राशन कार्ड की जांच होना अति आवश्यक है। वही राशन की कालाबाजारी की बात करें तो पोस्टिक आहार स्वादिष्ट चना छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाई कारपोरेशन लिमिटेड रायपुर के द्वारा मिलने वाले उपभोक्ताओं का चना झारखंड प्रदेश के गढ़वा जिले के ग्राम गोदरमाना में खुलेआम चना बिक रहा है चना का प्लास्टिक पूरे गोदरमाना के खुलेआम सड़कों पर कभी भी देखी जा सकती।

राजनीति लाभ के लिए लगातार बढ़ रहा राशन कार्डों की संख्या

राजनीति लाभ के लिए लगातार जिले में राशन कार्डों की संख्या बढ़ती चली जा रही है इस कारण से भी राशन उठाव करने मे बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिले भर में जिनकी मृत्यु हो गई है या जो सरकारी सेवा में है या फिर ऐसी लाभुक जो इनकम टैक्स रिटर्न भर रहे हैं ऐसी लाभुकों का नाम भी बड़े पैमाने पर चल रहा है। जबकि प्रदेश के खाद आपूर्ति विभाग के सचिव सभी जिले को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के दायरे में शामिल अपात्र ओके राशन कार्ड रद्द करने के लिए अभियान चलाने का सख्त निर्देश दिए गए हैं बावजूद इसके लिए कोई ठोस पहल नहीं किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने थाना रामानुजनगर का किया आकस्मिक निरीक्षण

- संवाददाता -
सूरजपुर, 10 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

गुरूवार को पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने थाना रामानुजनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारी रामानुजनगर प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे, पुलिस अधिकारी व जवानों को कार्य के प्रति सजग रहने, सौंपें गए कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने एवं आमजनता की समस्या-शिकायतों का गंभीरता से लेते हुए जल्द निराकरण करने, रात्रि गश्त प्रभावी तौर पर करने तथा धान खरीदी केन्दों में पुलिस बल की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक औचक निरीक्षण में दौरान थाना भवन एवं जवानों के आवास व्यवस्था का हाल जाना और मरम्मत योग्य आवास को जल्द दुरूस्त कराने के निर्देश दिए। जप्ती माल एवं लावारिश वस्तुओं का जल्द निराकरण कराने के कड़े निर्देश थाना प्रभारी को दिए। थाने में अभिलेखों का निरीक्षण किया। रिकार्ड अवलोकन में सभी की स्थिति संतोषजनक पाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने लंबित मामलों को यथाशीघ्र निपटारा करने, वारंटियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने को कहा। नागरिकों को पुलिस से आशा रहती है कि उनके समस्याओं का त्वरित निराकरण हो इस दिशा में तत्परता से कार्य किए जाने, थाने में फरियाद लेकर आने वाले सभी नागरिकों की समस्याओं को शालीनतापूर्वक सुनने एवं जल्द निराकरण करने कहा। निरीक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ उर्दु ऐकेडमी बोर्ड के सदस्य इस्माईल खान से चर्चा कर जानकारी ली। इस दौरान एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी, निरीक्षक विपिन लकड़ा, एसआई मनी प्रसाद राजवाड़े सहित थाना के अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

नशा फ्री गांव-शहर अभियान को लेकर पुलिस चौपाल लगाकर नागरिकों को कर रहा जागरूक

- संवाददाता -
सूरजपुर, 10 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

पुलिस युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए अभियान चला रही है। इसके तहत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इससे दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने सभी थाना व चौकी प्रभारियों को नशा तस्करों पर कड़ी नजर रखने व उन पर लगातार कार्रवाई करने के साथ ही नशे के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

इसी परिप्रेक्ष्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में गुरूवार 10 नवम्बर 2022 को एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह की मौजूदगी में चौकी खड़गवां पुलिस के द्वारा ग्राम बोझा में नशे के विरूद्ध चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान एसडीओपी ने कहा कि नशा एक ऐसा दलदल है, जिसमें धंसने वाला खुद तो तबाह होता ही है, साथ ही उसका पूरा परिवार भी तबाह होता है। उन्होंने कहा कि नशे की बुराइयों व दुष्प्रभावों से परिवार व समाज को बचाने के लिए नशा फ्री गांव-शहर का लक्ष्य लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में मजबूत पहल शुरू हो चुकी है। नशा से दूर रहने के लिए पढ़ाई एवं खेलकूद का सहारा लेने की समझाईश दी।

चौकी प्रभारी खड़गवां संजय सिंह ने कहा कि नशा फ्री गांव-शहर अभियान को सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। नशे का व्यापार, नशा बेचने वाले, अवैध रूप से बेच रहे शराब या किसी भी प्रकार का नशा बेचने वाले के बारे में पता चले तो आप तुरंत पुलिस को सूचित करें, सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा। चौपाल में महिला-छात्राओं को अभिव्यक्ति ऐप के बारे में जानकारी देकर ऐप डाउनलोड करवाया। धोखाधड़ी से बचाव, साईबर अपराध, यातायात नियम, महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों, विधिक जानकारियों से अवगत कराया। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन, युवा एवं बच्चे मौजूद रहे।

क्या अवैध कारोबार के दम पर पलती राजनीति,भ्रष्टाचार भी जहां है शिष्टाचार ?

क्या राजनीति को पोषण अवैध कारोबार एवम कारोबारियों से ही मिल रहा है ?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 10 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

आज राजनीति को पोषण अवैध कारोबार एवम कारोबारियों से ही मिल रहा है यह सौ टके सही बात है जहां वहीं भ्रस्टाचार को आज शिष्टाचार बना दिया गया है और उसी अनुरूप व्यवस्था संचालित है। किसी की भी सरकार क्यों न बन जाये अवैध कारोबार और भ्रष्टाचार किसी के लिए समाप्त करने वाला काम नहीं होता बशर्ते चुनावी घोषणापत्र व वचन पत्र में एक दूसरे को पछाड़ने यही मुद्दा राजनीतिक दल जनता के सामने रखते हैं और इसका समूल नाश करने की बात करते हैं।

अवैध कारोबार और भ्रष्टाचार को किस तरह राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है इसका जीवंत उदाहरण है कि आज कानून से ऊपर है यह दोनों काम और इसे करना कहीं से गुनाह नहीं है और यह व्यवहार में शामिल हो चुका है लोगों के और हर कोई अब सरलता से संपन्न बनने राजनीतिक संरक्षण में जा रहा है और वहीं से या तो अवैध कारोबार के लिए आशीर्वाद ले रहा है या फिर भ्रस्टाचार के लिए। समाचार पत्रों सहित खबरों का भी असर इस पूरे मामले में नहीं पड़ रहा है क्योंकि शायद ही प्रशासनिक कोई तंत्र हो जो इससे अछूता हो, सभी को जल्दबाजी है खुद की संपन्नता के लिए और उसी अनुरूप वह अवैध कारोबार और भ्रष्टाचार में लिप्त होते जा रहें हैं और शासन प्रशासन के साथ

मिलकर इसको अंजाम दे रहें हैं। पहले क जमाने मे भ्रस्टाचार और अवैध कारोबार जहां शर्म की बात हुआ करती थी आज वहीं इसको बड़े सम्मान से अपनाया जाता है और इसमें शामिल होने में किसी को झिझक नहीं होती।

पुराने जमाने की फिल्मों के दृश्य के तरह हो रहा अवैध कारोबार व भ्रष्टाचार

कभी पुराने जमाने की फिल्मों में भी दिखाया जाता था कि एक आरोप भ्रष्टाचार का जान देने का सबब बन-जाता तथा लोग अपनी ही नजर में गिर जाया करते थे आज गर्व से अवैध कारोबार और भ्रष्टाचार में लोग लिप्त हैं और समाज मे सम्मान भी ज्यादा ही प्राप्त कर रहें हैं। प्रदेश में भी अमूमन यही हाल है आज पद का महत्व नहीं है भ्रष्टाचार के लिए अवसर महत्वपूर्ण है वहीं अवैध कारोबार का ऐसा चलन जारी है कि इसे रोकने का जिम्मा सम्हाल रहे लोग ही अब इसमें बराबर के भागीदार हैं और रात के अंधेरों के सौदागरों के लिए वह मार्ग प्रसस्त करने वाले सिपाही हैं, जितनी सेवा जितनी सजगता आम व्यक्ति तक सुकून और चैन अमन पहुंचाने की जिम्मेदारों को मिली हुई है उसकी बजाय वह उनके लिये रास्ता साफ कर रहें है जो कहीं न कहीं समाज का ही हक़ लूट रहें हैं। कानून व्यवस्था तो जैसे अवैध कारोबारियों के घर की रखवाली के लिए बनी हो क्योंकि कानून का जिम्मा सम्हालने वालों को कब कहाँ होना है यह वह तय करते हैं जो अवैध कारोबार करते हैं। अतिरिक्त लाभ की लालसा इस कदर हावी हो चुकी है कि चोरों की बोली में कंधे पर सितारे लगाए लोग बिक जा रहें हैं जिन्हें कभी गर्व था कि वह कानून के रखवाले हैं।

क्या विधानसभा चुनावों में ताल ठोकने की तैयारी में हैं वेदांती व अनिल

- वेदांती तिवारी के साथ जिला पंचायत चुनाव लड़ चुके अनिल जायसवाल भी कांग्रेस से टिकट के दावेदार ?
- अब इन दोनों के ताल में कितना दम है यह तो 2023 में जनता तय करेगी।
- स्थानीय विधायक के रवैये से दोनों को मिल सकता है लाभ, जिले में कांग्रेस से नहीं विधायक से है जनता नाखुश।

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

अविभाजित कोरिया के राजनीति की बात की जाए तो कांग्रेस से नहीं सत्ता दल के तीनों विधायकों जनता नाराज है। जनता के दिलों में अपनी छाप छोड़ने में यह तीनों विधायक पीछे रह गए सबसे ज्यादा घमासान की स्थिति तो विधानसभा नंबर 3 यानी कि बैकुंठपुर की है, यहां पर नए चेहरे को विधायक की जवाबदारी मिली और यह जवाबदारी को इन्होंने बखूबी नहीं निभा पाया, आज इसी का परिणाम है की इनके जगह बाकियों की लोकप्रियता बढ़ रही है विधायक की लोकप्रियता पर जनता की आरी चल सकती है और इन्हीं की कमियों की वजह से दो बार विधानसभा हारे विनंती तिवारी के लिए लोगों का रुझान बढ़ रहा है तो वहीं पूर्व जनपद उपाध्यक्ष रहे अनिल जायसवाल भी लोगों के रुझान पाने के लिए मैदान में उतरे हुए। सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दोनों नेता एक साथ जिला पंचायत चुनाव में एक-दूसरे के आमने-सामने चुनाव लड़ा, विधानसभा में भी आमने-सामने चुनाव लड़ सकते हैं ऐसी परिस्थितियां भी बन सकती हैं ऐसे तमाम तरीके के सवाल खड़े हैं।

वेदांती जनाधार वाले नेता बनकर बैकुंठपुर विधानसभा में उभर रहें हैं

बैकुंठपुर विधानसभा से दो बार अपनी किस्मत आजमा चुके वह भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की टिकट पर वर्तमान में जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी को लेकर बैकुंठपुर विधानसभा की जनता सकारात्मक दिख रही है। लगातार जनसम्पर्क व क्षेत्र की जनता के हर सुख दुख में पहुँच रहे वेदांती तिवारी आज के परिदृश्य में कांग्रेस के सबसे मजबूत एवम जनाधार वाले नेता बनकर बैकुंठपुर विधानसभा में उभर रहें हैं, पिछले दो चुनावों में भले ही उन्हें हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन हार बहोत ही कम अंतरों से रहा है और जो साबित करता है कि उनका बैकुंठपुर विधानसभा में अच्छा खासा जनाधार है। जिला पंचायत सदस्य के लिए ही हुए चुनाव में उन्होंने न केवल कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी को बुरी तरह हराया वरन उन्होंने जिला पंचायत उपाध्यक्ष के पद पर भी अपना कब्जा दर्ज किया जबकि स्वयं बैकुंठपुर विधायक उनके विरुद्ध रहीं और उनके विपक्ष में जमकर उन्होंने मेहनत भी की। वेदांती तिवारी को ग्रामीण परिवेश का होने का भी लाभ मिलता है और उनकी सर्व उपलब्धता भी उनके जनाधार को बढ़ाती है जो उनकी खूबी मानी जाती है।

आगामी विधानसभा चुनाव में वेदांती तिवारी भी मजबूत दावेदारों में से एक

आगामी विधानसभा चुनाव में वेदांती तिवारी भी मजबूत दावेदारों में से एक हैं बैकुंठपुर से इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता वहीं वह किसी दल के टिकट पर चुनाव लड़ते हैं या निर्दलीय ही ताल ठोकते हैं यह देखने वाली बात होगी, वैसे सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी लगातार अपने विधायकों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर रही है और विधायकों के अब तक के कार्यकाल का क्षेत्र आधार पर लेखा जोखा भी तैयार हो रहा है और यह माना जा रहा है कि सत्ताधारी दल किसी भी स्थिति में कमजोर पड़ने वाले या खराब प्रदर्शन वाले विधायक को टिकट देने नहीं जा रहा और ऐसी परिस्थिति में बैकुंठपुर विधायक का टिकट तय है यह कहना जल्दबाजी होगी। लगातार क्षेत्र से दूर रहती चली आ रही विधायक वर्तमान में तो लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहीं हैं लेकिन यदि क्षेत्र की जनता की राय जानी जाए तो एक ही बात सामने आएगी और वह है बहोत देर कर दी उन्होंने। अब विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी दल यदि टिकट वितरण में बैकुंठपुर विधानसभा से विचार करेगा तो एक ही नाम जो सबसे लोकप्रिय और जनाधार वाला सामने आएगा वह है वेदांती तिवारी का जो पार्टी के लिए फायदेमंद उम्मीदवार हो सकते हैं और बैकुंठपुर विधानसभा सीट जीतकर पार्टी के खाते में डाल सकते हैं,वैसे वेदांती तिवारी स्वयं से फिलहाल कहीं कहते नहीं सुने जा रहें हैं कि वह उम्मीदवार रहेंगे चुनाव में लेकिन उनके समर्थको की माने तो पार्टी हाईकमान भी उनके नाम पर गंभीरता से विचार कर रहा है और उनके सम्पूर्ण गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

चुनावी मैदान में उतरते हैं तो यह उनका विधानसभा चुनाव में तीसरा अवसर होगा

वेदांती तिवारी यदि इसबार चुनावी मैदान में उतरते हैं तो यह उनका विधानसभा चुनाव में तीसरा अवसर होगा और दो कम अंतरों से पराजय के बाद यह अवसर उन्हें जीत की तरफ भी ले जा सकता है जो नजर भी आता है और जनता द्वारा कहते भी सुना जाता है।वेदांती तिवारी ने भी अपनी सक्रियता लगातार बना कर रखी हुई है और वह शायद ही क्षेत्र के किसी व्यक्ति के दुख सुख में शरीक नहीं हुआ करते हैं,इनके पास कार्यकर्ताओं की जहां लंबी फौज है वहीं इनके समर्थक भी पूरे विधानसभा क्षेत्र में फैले हुए हैं जो इन्हें विधानसभा भेजना चाहते हैं। अब देखना यह है कि कब वेदांती तिवारी विधानसभा चुनाव को लेकर अपना निर्णय जनता के सामने सार्वजनिक करते हैं वहीं सत्ताधारी दल जिसमे की सुगबुगाहट भी है कि टिकट वितरण में कुछ परिवर्तन विधानसभावार हो सकता है उसका बैकुंठपुर विधानसभा को लेकर क्या निर्णय आता है।

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल कांग्रेस से टिकट को लेकर कहीं न कहीं आश्वस्त नजर आ रहे हैं

बैकुंठपुर के पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल में जो बदलाव आया है वह काफी अलग उन्हें बनाता है जिला पंचायत चुनाव हारने के बाद इनके अंदर एक अलग सा परिवर्तन आया है और यह परिवर्तन इस समय दिख भी रहा है जनता के बीच जाने से कतराने वाले अनिल जायसवाल लगातार अब जनता के बीच पहुंचने लगे हैं उन्हें समझ आ गया है कि राजनीति में रहना है तो जनता का आशीर्वाद तो जरूरी है आज यही वजह है कि वह जनता के बीच जाने लगे हैं और कहीं ना कहीं अपनी राजनीति में वेदांती तिवारी के पदचिन्हों को ही अपनाकर आगे बढ़ रहे।अनिल जायसवाल अपने समर्थकों के साथ आजकल हर उस जगह जा रहें हैं जहां भी जनता का जुटाव देखा जा रहा है या कोई सार्वजनिक कार्यक्रम हो रहा है।

2 कांग्रेसी इस स्थिति में एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं-

2023 विधानसभा में स्थानीय विधायक का टिकट कटता है और अनिल जयसवाल को कांग्रेस से टिकट मिलता है और भारतीय जनता पार्टी से पूर्व मंत्री भइयालाल राजवाड़े का टिकट कटके यदि अन्य किसी को टिकट मिलता है तो निर्दलीय तौर पर वेदांती तिवारी व अनिल जायसवाल एक बार फिर आमने-सामने चुनाव लड़ सकते हैं, जिला पंचायत चुनाव में भले ही अनिल जयसवाल को हार का सामना करना पड़ा हो पर इस नेता के दिमाग के सामने बाकी नेताओं की बोलती बंद हो जाती है, यह भी कटु सत्य है अनिल जायसवाल के दिमाग मे राजनीति को अलग ही रूप से देखा जाता है, आज जहां जनपद में लोग मान सम्मान के लिए तरस रहे हैं वहीं अनिल जायसवाल एक ऐसे जनपद उपाध्यक्ष थे जिनका प्रोटोकोल भी होता था और शिलालेख में नाम भी लिखा जाता था, उन्हें पता होता था कि उनका अधिकार क्षेत्र है और अपने अधिकार क्षेत्र का कैसे उपयोग किया जाता है, जो आज के जनप्रतिनिधि नहीं कर पा रहे हैं। वर्तमान समय मे जनपद पंचायत बैकुंठपुर का कार्यकाल जनप्रतिनिधियों का बिल्कुल विपरीत है जबकि अनिल जायसवाल विपक्ष के उपाध्यक्ष होने के बावजूद अपना वजूद कायम रख पाए थे, वहीं आज केवल निर्माण कार्य कर जल्द से जल्द धनाढ्य बनने की लालसा में उसी पद पर सत्ताधारी दल के लोग केवल अपने स्वार्थ सिद्धि में लगे हुए हैं वहीं उनको अधिकारी भी तव्वजो नहीं दे रहें हैं जिसकी वजह से लगातार आपसी तकरार सामने आ रही है।

विधायक के सिपहसालार विधायक के लिए बन रहे मुसीबत-

जैसा कि बताया जा रहा है कि बैकुंठपुर विधायक का जो परफॉर्मेंस उपर गया है वह बहोत बेहतर नहीं गया है और उनके परफॉर्मेंस को कमजोर माना जा रहा है,विधायक के समर्थकों खास सिपहसालारों की ही वजह से परफॉर्मेंस नीचे गिरा है यह भी कहना गलत नहीं होगा,सरकार दुबारा आये न आये जल्द से जल्द खुद को संपन्न बनाने में जुटे विधायक के खास समर्थको ने विधायक के लिए मैदानी कोई भूमिका कभी तैयार नहीं कि जिसकी वजह से उन्हें दोबारा चुनाव में दिक्कत न हो और यही वजह है कि टिकट को लेकर कई दावेदार सामने आ रहें हैं और जो कहीं न कहीं आश्वस्त भी दिख रहे हैं।

निधन

पचीरा। ग्राम पंचायत पचीरा निवासी प्रताप यादव कान्हा का आज हार्ट अटैक आने से 9:00 निधन हो गया जो कि पूरे गांव में शोक का माहौल है अपनी पीछे तीन पुत्रियां एवं भरा पूरा परिवार छोड़ गया उनका अंतिम संस्कार रेड नदी तट पर किया गया जिसमें मुखाग्नि उनके पिता श्री लल्लन यादव ने दिए उनके अंतिम संस्कार में सैकड़ों संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय विद्यालयीन खेल कूद प्रतियोगिता चिरमिरी डीएवी स्कूल का अनुराग ओझा का उत्कृष्ठ प्रदर्शन

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़/चिरमिरी 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

भिलाई में राज्य स्तरीय विद्यालयीन खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें सरगुजा संभाग से जूडो के लिये डीएवी स्कूल का प्रतिनिधित्व अनुराग ओझा ने किया। प्रतियोगिता में अनुराग ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया जिसके लिए उसे रजत पदक से सम्मानित किया गया।

अनुराग ओझा नगर के प्रतिष्ठित नागरिक बालकृष्ण ओझा के पौत्र और कॉन्ट्रेक्टर नरेश ओझा के पुत्र हैं। प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अनुराग ओझा ने अपने परिवार समेत नगर और संभाग का मान बढ़ाया और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए चयनित हुये हैं। अनुराग पूर्व में भी प्रदेश की ओर से हैदराबाद में

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं। इनके प्रतियोगिता जीतने पर शहरवासियों और गुरुजनों छात्रों में हर्ष व्याप्त है। डीएवी चिरमिरी मैं कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत अनुराग ओझा ने बताया कि उन्हें इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए विद्यालय के गुरुजनों और अभिभावकों ने काफी प्रेरित किया उनके मार्गदर्शन से ही यह उल्लेखनीय मुकाम हासिल हो सका है अनुराग का मानना है कि यदि हम अपनी पढ़ाई के साथ ही साथ खेल में भी ध्यान दें तो निश्चित रूप से हमें आने वाले समय में कई अवसर प्राप्त होंगे। बहरहाल अब अनुराग आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए तैयारियों में जुटे हैं । राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर उनका मनोबल काफी बढ़ा हुआ है ,साथ ही साथ विद्यालय के शिक्षकों द्वारा उन्हें बेहतरीन मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

न्यायाधीशों ने जिला जेल एवं महाविद्यालय में किया विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

- संवाददाता -
रामानुजगंज 10 नवम्बर 2022 (घटती घटना)

जिला जेल में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में प्रफुल्ल कुमार सोनवानी प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में पंकज आलोक तिर्की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अवधेश गुप्ता अधिवक्ता जी.एस.मरकाम जेल अधीक्षक समस्त स्टॉफ एवं विचाराधीन बंदी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सोनवानी ने कहा कि जेलों का मुख्य उद्देश्य अपराधियों को सज़ा देना एवं उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन के लिये अवसर देना होता है। अक्सर देखा गया है। कि अपराधी जेल से निकलने के बाद पुनः अपराध में संलग्न हो जाते हैं। अपनी मानसिकता को एक सही दिशा प्रदान करते हुये,शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत रहने का समय है। श्री तिर्की कहा कि भारतीय दंड संहिता में कहीं भी क्षमा शब्द का उल्लेख नहीं है, किंतु लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों में आपसी समझौते से मामलों का निपटारा किया जा सकता है।वही विचाराधीन बंदियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। इधर लरंगसाय महाविद्यालय में जिला न्यायाधीश सिराजुद्दीन कुरैशी ने उपस्थित समस्त छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जहां भी जागरूकता का अभाव रहता है, जहां भी अज्ञानता रहती है, वहीं पे शोषण भी होता हैं। लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी छात्रएं अपने जीवन के लक्ष्य का निर्धारण कर अपनी पूरी मेहनत से उसे प्राप्त करने के लिए अपनी पूरी उर्जा डाल दें। इंसान जीवन में चार तरीको से ज्ञान अर्जीत करता है, पहला गुरू से,दूसरा स्वयं से, तिसरा अपने संगत चौथा अपने वक्त से सिखता है। आप सभी छात्र-छात्राओं का यह गोल्डेन समय चल रहा है। आप अपने जीवन के इस गोल्डेन समय को अपने भविष्य निमार्ण में लगाए। द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मधुसूदन चंद्राकर ने कहां की वर्ष 1987 में कानूनी सेवा दिवस प्राधिकरण अधिनियम पारित किया गया था। राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस भारत की न्यायिक प्रणाली के साथ-साथ संभावित समाधानों के साथ चुनौतियों और समस्याओं पर चर्चा करने का एक उत्कृष्ट अवसर है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त स्टॉप एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

भूपेश बघेल की सरकार पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश की महिलाओं की महतारी हुंकार रैली:रेणुका सिंह

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत के आह्वान पर 11 नवंबर को बिलासपुर चलो के नारे के साथ पूरा प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने वर्तमान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है आपको बता दें कि इसी क्रम में जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर संयुक्त कोरिया के साथ महिला मोर्चा जहां प्रदेश सरकार के वादाखिलाफी , शराबबंदी, बलात्कार, रेडी टू ईट , निजीकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना, महिलाओं की सुरक्षा, अपहरण, लूट,हत्या मानव तस्करी जैसे अनेक बिंदुओं पर प्रदेश सरकार को घेरने की तैयारी चल रही है इसी क्रम में कोरिया जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह ने बताया कि 11 नवंबर को जिले से लगभग 2000 से अधिक महिलाएं बिलासपुर भाजपा महिला मोर्चा

प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर जिले से कुछ करेंगी और भूपेश सरकार के वादाखिलाफी महिलाओं की सुरक्षा आदिवासियों के अधिकारों के हनन के साथ अनेक बिंदुओं पर भाजपा महिला मोर्चा की महिलाएं ईट से ईट बजा देंगे साथ ही सत्ता के मद में चूर हुए भूपेश बघेल सरकार को महतारी हुंकार रैली के माध्यम से आह्वान करते हुए उनके वादों और चुनावी घोषणा पत्र को याद दिलाते हुए प्रदेश की न्याय धानी बिलासपुर के मैदान से महतारी हुंकार रैली की गूज पूरे प्रदेश में गुजरेगी और भूपेश बघेल सरकार के वादाखिलाफी से लेकर अनेक बिंदुओं पर भाजपा महिला मोर्चा की एक-एक महिलाएं इस हुंकार रैली में पहुंचकर भूपेश सरकार के कारनामों का खुलासा करेंगी साथ ही महतारी हुंकार रैली 11 नवंबर को बिलासपुर की माटी से वादाखिलाफी सरकार के विरुद्ध बिगुल फूंकेगी।

नोडल अधिकारियों द्वारा उपार्जन केन्द्रों का सघन निरीक्षण जारी

चेक लिस्ट के अनुसार उपलब्ध व्यवस्थाओं का किया जा रहा मिलान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

धान उपार्जन केन्द्रों में जरूरी व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारियों द्वारा सघन निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के लिए चेक लिस्ट तैयार किया गया है जिसके अनुसार उपलब्ध व्यवस्थाओं का मिलान कर रिपोर्ट तैयार किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित धान खरीदी के लिए विगत दिनों समितिवार एवं अनुभागवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। प्रथम चरण में सभी नोडल अधिकारियों को खरीदी केन्द्रों में आवश्यक तैयारी व व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु निरीक्षण कर रिपोर्ट देने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके पश्चात लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए है।

ज्ञातव्य है कि राज्य शासन के निर्देशानुसार 1 नवम्बर से जिले के 46 उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य में धान खरीदी प्रारंभ किया गया है।

हमारे आचार विचार में गिरावट के कारण समाज तेजी से हो रहा स्खलित-बजरंग मुनि

- संवाददाता -
रामानुजगंज, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आगामी फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले तातापानी के ज्ञान यज्ञ की तैयारी बैठक जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम चांकी में रखा गया। जिसकी अध्यक्षता रामप्रताप गुप्ता ने की। रामचंद्रपुर प्रखंड के 113 गांव में सघन जन जागरण अभियान पिछले साल भर से चल रहा है जिसके आधार पर विभिन्न 11 केंद्रों पर विशेष बैठक आयोजित कर यज्ञ को सफल बनाने के लिए तैयारी समिति के निर्माण पर विस्तार से विचार किया गया इस अवसर पर विचारक एवं चिंतक बजरंग मुनि ने कहा कि आज समाज की सबसे बड़ी समस्या है स्वार्थ, गुस्सा, राग, द्वेष, आक्रोश तेजी से बढ़ रहा है भेदभाव दूर करने का एकमात्र समाधान या तरीका है कि हम एक साथ बैठने की आदत डालें उन्होंने कहा कि एक साथ बैठने के लिए श्रेष्ठ समाधान है कि हम यज्ञ करें ज्ञान यज्ञ कार्य को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति का गठन किया जा रहा है और उसी की तैयारी पर विचार करने का आवाहन करने हम यहां आपके बीच उपस्थित हुए हैं उन्होंने कहा कि कोई युग नहीं बदला है तथा हमारे आचार विचार में अभी गिरावट के कारण समाज तेजी से स्खलित हुआ है आप सबको यहां संदेश देने के लिए आए हैं कि यज्ञ कार्य के प्रयोग से समाज को हम संगठित कर सकते हैं बैठक को संबोधित करते हुए यज्ञ के संयोजक मोहन गुप्ता ने कहा कि समन्वय, संगति, जन, एकत्रीकरण, वायुमंडल शुद्धीकरण यज्ञ से हमें प्राप्त होता है इस अवसर पर राम प्रताप गुप्ता ने अध्यक्षीय संबोधन में आश्वस्त किया कि यज्ञ में चांकी की उपस्थिति बढ़-चढ़कर होगी राजेश प्रजापति, शुभेंदु महापात्रा, पृथ्वीनाथ, कृष्णा प्रसाद, प्रमोद केसरी, ज्ञानेंद्र आर्य, नरेंद्र सिंह, बजरंग गुप्ता, मंगल प्रसाद, रामराज गुप्ता, सुनील विश्वास आदि ने भी अपना विचार व्यक्त किया।

स्कूटी रैली निकालकर भाजपा महिला मोर्चा जिला सूरजपुर ने महतारी हुंकार रैली की दी ट्रेलर

- संवाददाता -
सुरजपुर, 10 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आज भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला सूरजपुर के द्वारा प्रदेश व्यापी भाजपा महिला मोर्चा के महतारी हुंकार रैली की तैयारी को लेकर रैली पूर्व बृहद स्कूटी रैली का कार्यक्रम किया गया । इस रैली का अगवाई भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के द्वारा किया गया इस रैली में श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा यह कहा गया कि छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार अपने घोषणापत्र से ही बनी है और उसमें से एक भी घोषणा ढंग से पूरा नहीं हुआ है जिससे प्रदेश की जनता ठगा सा महसूस कर रहा है विशेषकर हम महिलाओं का आत्म सम्मान गिरा है जैसे शराबबंदी की घोषणा की थी शराबबंदी तो दूर बल्कि बकायदा शराब की होम डिलीवरी सिस्टम प्रारंभ कर दिया गया , शराब के कारण आए दिन अपराधों में वृद्धि हो रही है , महिला स्वयं सहायता समूह का कर्जा माफ का था कर्जा माफ तो दूर की बात उनसे रेडी टू ईट का संचालन भी छीन लिया गया , अनुसूचित जनजाति के नाबालिक बच्चियों के बलात्कार के मामले में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को पूरे देश में दूसरे स्थान पर लाकर खड़ा कर दिया। एवं आए दिन सामूहिक बलात्कार हत्याएं होने लगी है प्रदेश में आदिवासी क्षेत्रों के 25000 से अधिक बच्चों के इलाज के अभाव में असमय मौत शासकीय क्षमताओं से हजारों मां बहनों की गोद सूनी हुई। पिछले 4 वर्षों में मातृ मृत्यु दर एवं बच्चों के मौत के आंकड़े लगातार बढे हैं। जुलाई 2021 से कुपोषण की दर 4न्न वृद्धि हुई। बुजुर्ग माताओं को 1500 रुपए प्रतिमाह विधवा पेंशन देने का वादा किया उसमें भी धोखा मिला इस प्रकार देखा जाए तो प्रदेश कांग्रेस की सरकार अपने वादे को पूरा करने में पूरी तरह विफल रहा है इन्हीं सब वादाखिलाफी का भाजपा महिला मोर्चा जिला सूरजपुर पुरजोर विरोध करती है और भाजपा महिला मोर्चा का प्रदेश स्तरीय महतारी हुंकार रैली 11 नवंबर को होने जा रही है जिसमें प्रदेशभर की माताएं बहने हुंकार भरेंगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े श्रीमती नूतन विश्वास श्रीमती किरण खेस श्रीमती देव मुनिया साहू श्रीमती पूनम देव श्रीमती ज्योति सिंह श्रीमती धन कुवर राजवाड़े श्रीमती फुल बसिया राजवाड़े श्रीमती उषा गिरी श्रीमती अनीता तिवारी श्रीमती संतरा राजवाड़े आदि बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की बहने उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

जोनल कार्यों का निष्पादन हेतु निविदा सूचना

क्रम सं. (1) : ई-निविदा संख्या-डीआरएम-इंजी-बीएसपी-टी-117-22-23, दिनांक 07.11.2022

कार्य: 30.06.2023 तक की समाप्ति अवधि के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/ आवास/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर रेलवे सेटलमेन्ट में रोड के रखरखाव एवं मरम्मत संबन्धित जोनल कार्यों का निष्पादन।

निविदा मूल्य : ₹54,99,727.70/-। अमानत राशि : ₹1,10,000/-। कार्य पूर्णता की अवधि : 30.06.2023 माह।

निविदा जमा की आरंभ तिथि:– दिनांक **14.11.2022** के **11.00** बजे से। **निविदा जमा की अंतिम तिथि :–** दिनांक **28.11.2022** के **11:00** बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी एवं वेब साईट पर दिनांक **07.11.2022** को अपलोड किया गया।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)

सीपीआर/10/305 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

R.O.No.-475

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202210020700118

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व सनः- 2022-2023

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0) पक्षकारों का विवरण-

आवेदक पक्षकार-सीमा, अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक सीमा आ0 प्रदीप के नाग पति बाबूलाल व अन्य, निवासी कंपनी बाजार, गौरीवार्ड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपनी माता स्व0 कौशल्या बाई जो नगर पालिका निगम, अम्बिकापुर में सफाई कामगार के पद पर कार्यरत थी, जिसकी मृत्यु सेवाकाल के दौरान दिनांक 04/08/2016 को हो जाने के कारण उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो जॉच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/11/2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/10/2022 को जारी किया जाता है।

सील

तहसील
सरगुजा (अम्बिकापुर)

टी 20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड और पाक की होगी भिड़ंत

मेलबर्न,10 नवम्बर 2022। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की शर्मनाक हार हुई है। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 168 रन बनाए थे। जीत के लिए इंग्लैंड को 169 रन बनाने थे। इंग्लैंड ने इस लक्ष्य को बिना किसी विकेट खोए हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से दोनों ही सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जॉस बटलर ने ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए 17 में ओवर में ही टीम को जीत दिलवा दी। भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन काफी खराब रहा। एक भी भारतीय गेंदबाज इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर सका। इंग्लैंड की एकतरफा जीत के बाद टी-20 विश्वकप के दूसरे फाइनलिस्ट का फैसला हो चुका है। 13 अक्टूबर को टी20 विश्व कप 2022 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा।

पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड को हराने के बाद सेमीफाइनल में पहले ही प्रवेश कर चुकी है। एक बार फिर से नॉकआउट में हारने का कलंक तोड़ने में टीम इंडिया नाकाम रही। 2013 के बाद से भारतीय टीम ने आखिरी दो चरण की बाधा पार नहीं की है। 2014 के टी-20 विश्व कप के फाइनल में और 2016 के टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार मिली थी। हाई प्रेशर मुकाबले में इंग्लैंड की ओर से शानदार प्रदर्शन किया गया। जोस बटलर ने नाबाद 80 रनों की पारी खेली। इसमें 9 चौके और 3 छक्के थे। वहीं, एलेक्स हेल्स ने 86 रनों की पारी खेली जिसमें 4 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इससे पहले हार्दिक पंड्या ने फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाते हुए 33 गेंद में 63 रन बनाकर भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में छह विकेट पर 168 रन तक पहुंचाया था।

विराट कोहली ने भी 40 गेंद में 50 रन बनाये लेकिन भारतीय पारी का आकर्षण पंड्या रहे जिन्होंने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पहले दस ओवर के प्रदर्शन के बाद यह स्कोर मुमकिन नहीं लग रहा था। आखिरी चार ओवर में भारत ने 58 रन बनाये जिसमें चार चौके और पंड्या के पांच छक्के शामिल थे। भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और केएल राहुल (पांच) एक बार फिर बड़े मैच में नाकाम रहे। क्रिस वोक्स ने दूसरे ओवर में अतिरिक्त उछाल के खिलाफ उनकी कमजोरी की कलई खोल दी। भारत अगर 20 रन से पीछे रह गया तो इसके लिये कप्तान रोहित शर्मा जिम्मेदार हैं जिन्होंने 28 गेंद में 27 रन बनाये। पहले दस ओवर में सिर्फ 62 रन बने। सेमीफाइनल में 42 डॉट गेंद यानी सात ओवर में रन नहीं बनना साबित करता है कि टीम किस कदर दबाव में थी।

कतर में विश्व कप में तीन महिलाएं रैफरी की भूमिका निभाएंगी

तोक्यो ,10 नवम्बर 2022। फुटबॉल फीफा वर्ल्डकप 2022 का आयोजन कतर में होने वाला है। ये पहला मौका है जब अरब देशों में फीफा का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 20 नवंबर से होने वाली है। फुटबॉल प्रेमियों का पसंदीदा टूर्नामेंट कई मायनों में खास होने वाला है। इस वर्ल्डकप को लेकर टीमें भी अंतिम दौर की तैयारियों में जुटी हुई है। इस वर्ल्डकप में ऐसा भी कुछ होने वाला है जो फीफा वर्ल्डकप के इतिहास में इससे पहले कभी नहीं हुआ है।

इस टूर्नामेंट की खासियत है कि इस बार मैचों में महिला रेफरी शामिल की गई है। जापान की रैफरी योशिमी यामाशिता उन तीन महिलाओं में शामिल हैं जिन्हें कतर में पुरुष फुटबॉल विश्व कप मुकाबलों में रैफरी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में पहली बार महिलाएं रैफरी की भूमिका में नजर आएंगी। फ्रांस की स्टेफनी फ्रेपार्ट और रवांडा की सलीमा मुकांसंगा भी रैफरी की भूमिका निभाएंगी। ये तीनों कतर विश्व कप के लिए चुने गए 36 रैफरी के पूल में हैं बाकी सभी पुरुष हैं।

बता दें कि फीफा ने इस वर्ष 69 सहायक रैफरी का पूल भी बनाया है जिसमें भी तीन महिला सहायक रैफरी को नामित किया है। ये ब्राजील की नुजा बैक, मैक्सिको की करेन डियाज मेडिना और अमेरिका की कैथरीन नेस्बिट हैं।

फीफा को लेकर चरम पर उत्साह

अरब देशों में पहली बार आयोजित होने जा रहे फीफा वर्ल्डकप को लेकर उत्साह भी चरम पर है। इस उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 20 नवंबर से शुरू होने वाले वर्ल्डकप कप के मैच को स्टेडियम में देखने के लिए फुटबॉल फैंस को एक टिकट के लिए 13 लाख रूपये खर्च करने पड़ेंगे। मैच देखने के लिए फैंस ने मैच टीकट की बुकिंग करानी शुरू कर दी है। वैसे टीकट की कीमतें अलग अलग श्रेणी की है। स्टेडियम में बैठने और मैच के स्तर के अनुरूप टीकट की कीमत तय की गई है।

जानकारी के मुताबिक फीफा वर्ल्डकप ग्रुप स्टेज के मुकाबलों के अधिकतर टिकट बेचे जा चुके है। इन मैचों के लिए टिकट काफी कम संख्या में शेष बचे है। संभावना है कि आने वाले समय में स्टेडियम की बची हुई टीकट की कीमतों में इजाफा देखने को मिले। फुटफैंस इन टीकट को फीफा की वेबसाइट के अलावा अन्य प्लेटफॉर्म से खरीद सकते है।

जानें फीफा का शेड्यूल

फीफा वर्ल्डकप 2022 का आगाज कतर में 20 नवंबर से होगा। बता दें कि ये फीफा का 22वां सीजन है, जो पहली बार किसी अरब देश में होने वाला है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 18 दिसंबर को होना है। बता दें कि टूर्नामेंट में इस वर्ष 32 टीमें हिस्सा ले रही है, जिन्हें आठ ग्रुप में बांटा गया है।

विश्व कप से पहले स्पेनिश फुटबॉल लीग मालोरका से हारी एटलेटिको मैड्रिड

एडीलेड ,10 नवम्बर 2022। पिछले पांच मैचों में जीत से वंचित एटलेटिको मैड्रिड को स्पेनिश फुटबॉल लीग में मालोरका ने 1 . 0 से हरा दिया। इस हार के बाद एटलेटिको विश्व कप के लिये ब्रेक से पहले तालिका में छठे स्थान पर खिसक गई। उसे शनिवार को कोपा डेल रे से खेलना है जिसके बाद विश्व कप के लिये ब्रेक हो जायेगा।

एटलेटिको को एस्पियानोल ने 1 . 1 से ड्रॉ पर रोका जबकि कैडिज ने उसे 3 . 2 से हराया। अन्य मैचों में सेविला को रीयाल सोशिडाड ने 2 . 1 से हराया जबकि विलारियाल ने एस्पियानोल को 1 . 0 से मात दी।

महिला टी 20 विश्व कप से पहले अगले साल टी20 ट्राई सीरीज में भारत का सामना दक्षिण अफीका,वेस्टइंडीज से होगा

नई दिल्ली ,10 नवम्बर 2022। अगले साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 के लिए अपनी तैयारी के अंतिम चरण के हिस्से के रूप में, 19 जनवरी से 2 फरवरी तक भारत पूर्वी लंदन में प्रोटियाज और 2016 चैंपियन वेस्टइंडीज के साथ टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेगा। सभी मैच बफेलो पार्क क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे, जिसमें तीन टीमों के बीच कड़े मुकाबले की श्रृंखला होगी। वे केप टाउन, पार्ल और गकेबेरा में 10 से 26 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले तीन टीमों के लिए महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में जगह बनाने के लिए प्रत्येक टीम के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेलेंगे।

उन्होंने कहा, ÷2023 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका पर एकजुट होने के लिए क्रिकेट जगत के साथ, हम मुख्य कोच हिल्टन मोरेंग के रूप में भारत और वेस्टइंडीज का स्वागत करते हैं और टीम फरवरी में वैश्विक इवेंट के लिए अपनी तैयारी पूरी करेगी।÷

क्रिकेट के सीएसए निदेशक हनोक नक्के ने कहा, ÷ये दोनों टीमें महिला टी20 क्रिकेट में सबसे प्रतिभाशाली और मनोरंजक देशों में से हैं, जिन्होंने पिछले चार फाइनल में से दो में भाग लिया था, जिसमें वेस्टइंडीज ने 2016 में ट्रॉफी उठाई थी।÷

ग्रुप ए में दक्षिण अफ्रीका के टी20 विश्व कप में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ-साथ बांग्लादेश और पांच बार के चैंपियन आस्ट्रेलिया शामिल हैं। भारत, 2020 टी20 विश्व कप उपविजेता और वेस्टइंडीज इंग्लैंड, पाकिस्तान और आयरलैंड के साथ प्रतियोगिता के ग्रुप बी में हैं।

साइकिलिंग,तैराकी,कुश्ती में खेलो इंडिया महिला लीग का समर्थन करेगी सरकार

नई दिल्ली ,10 नवम्बर 2022। युवा मामले और खेल मंत्रालय 12 नवंबर से पूरे भारत में साइक्लिंग, तैराकी और कुश्ती में खेलो इंडिया विमेंस लीग का आयोजन करेगा। भारत सरकार भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ देश भर में खेलों में महिलाओं के प्रचार और विकास के लिए सभी खेलों में सभी राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) का समर्थन कर रही है।

साइकिल चलाना

खेलो इंडिया महिला साइक्लिंग लीग रोड इवेंट का जोन 1 लुधियाना, कुरुक्षेत्र और पंचकुला में निर्धारित है। टूर्नामेंट तीन जोनों में होने वाला है और केंद्र सरकार ने तीन क्षेत्रों में टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए साइक्लिंग फेडरेशन आफ इंडिया को कुल 19.78 लाख रुपये की मंजूरी दी है।

एलीट महिला, जूनियर, सब-जूनियर और यूथ गर्ल्स आयु वर्ग में लगभग 200 साइकिलिस्ट टूर्नामेंट के लुधियाना चरण में भाग लेने के लिए तैयार हैं।

तैराकी

जूनियर (अंडर-18) और यूथ (अंडर-15) आयु वर्ग में खेलो इंडिया जूनियर महिला तैराकी सीरीज का दूसरा राउंड लखनऊ, असम, केरल, अहमदाबाद और भुवनेश्वर में होगा। लगभग 900 प्रतियोगियों के आने की उम्मीद है। इस साल अगस्त में, तैराकी श्रृंखला का पहला दौर नई दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हुआ, भारतीय खेल प्राधिकरण ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी।

खेल मंत्रालय ने खेलो इंडिया योजना के तहत कुल दो चरणों में इस श्रृंखला के आयोजन के लिए भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) को कुल 1.02 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है।

कुश्ती

खेलो इंडिया महिला कुश्ती लीग के दूसरे चरण का आयोजन 14 से 15 नवंबर, 2022 तक सीनियर और अंडर-17 वर्ग के लिए हरिद्वार (उत्तराखंड) में किया जाएगा। इसमें सीनियर और जूनियर दोनों समेत करीब 400 पहलवान हिस्सा लेंगे।

राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप के शीर्ष 10 पहलवान और ओपन राष्ट्रीय रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के शीर्ष 10 पहलवान टूर्नामेंट में प्रत्येक भार वर्ग में हिस्सा लेंगे। इसमें करीब 400 पहलवान भाग लेंगे।

पिछले महीने, खेलो इंडिया महिला कुश्ती लीग का चरण 2 अंडर-15 और अंडर-20 श्रेणियों के लिए उत्तर प्रदेश के गोंडा में हुआ था। 3 चरणों में खेलो इंडिया कुश्ती लीग आयोजित करने के लिए सरकार द्वारा दी गई सहायता की कुल राशि 1.59 करोड़ रुपये है। इसमें चरण 2 और चरण 3 में शीर्ष 4 पहलवानों को पुरस्कार राशि के रूप में 55.4 लाख रुपये शामिल है।

चिरंजीवी की वाल्टेयर वीरैया में उर्वशी रौतेला करेंगी एक विशेष गीत

निर्देशक बॉबी कोल्ली की आगामी एक्शन एंटरटेनर वाल्टर वीरैया, जिसमें मेगास्टार चिरंजीवी और रवि तेजा मुख्य भूमिका में हैं, में बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी एक विशेष गीत में नजर आएंगी।

सूत्रों ने पहले खुलासा किया था कि, फिल्म में चिरंजीवी और रवि तेजा दोनों पर एक बड़ी संख्या होगी, जिसे हाल ही में हैदराबाद में शूट किया गया था। अब, सूत्रों का कहना है कि फिल्म में मेगास्टार चिरंजीवी और ग्लैमरस दिवा उर्वशी रौतेला पर एक विशेष गीत भी शूट किया जाएगा।

रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने फुट-टैपिंग नंबर बनाया है जिसका उच्च प्रतिधारण मूल्य होगा। टॉप कोरियोग्राफर शेखर मास्टर ने इस धमाकेदार गाने को कोरियोग्राफ किया है। मेस्त्री मूवीज मेकर्स इस फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रहे हैं।फिल्म में श्रुति हासन चिरंजीवी के साथ नायिका की भूमिका निभा रही हैं।सभी व्यावसायिक सामग्रियों के साथ एक बड़े पैमाने पर एक्शन एंटरटेनर होने के लिए बिल किया गया, यह फिल्म नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर द्वारा बड़े पैमाने पर निर्मित की गई है, जबकि जी.के. मोहन सह-निर्माता हैं। आर्थर ए. विल्सन कैमरा क्रैंक करते हैं, जबकि निरंजन देवरामन संपादक हैं और ए.एस. प्रकाश प्रोडक्शन डिजाइनर हैं। सुष्मिता कोनिडेला कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। जहां कहानी और संवाद बॉबी ने खुद लिखे हैं, वहीं कोना वेंकट और के. चक्रवर्ती रेड्डी ने पटकथा लिखी है। लेखन विभाग में हरि मोहन कृष्ण और विनीत पोटलुरी भी शामिल हैं। संक्रांति, 2023 के लिए वाल्टर वीरैया स्क्रीन पर हिट होगी।

ब्रालेट पहन जब नम्रता मल्ला ने दिखाया अपना कर्वी फिगर,फोटोज देख सर्दी में लोगों के छूटे पसीने

भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस पर बिजलियां गिराने वाली एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की लेटेस्ट तस्वीरें धमाल मचाए हुए हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाती है। बोल्ड और सेक्सी अंदाज के लिए जानी जाने वाली नम्रता मल्ला की फोटोज देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। नम्रता मल्ला अपनी बोल्ड अदाओं से फैंस को घायल कर दिया है। ग्लैमरस और सेक्सी तस्वीरों को देखकर सोशल मीडिया का पारा हाई है। नम्रता मल्ला ने स्पोर्ट्स ब्रा और व्हाइट शॉर्ट्स में काफी अट्रैक्टिव पोज दिए। एक्ट्रेस अपनी हॉटनेस और बोल्ड अंदाज से बड़ी बड़ी एक्ट्रेस को कड़ी टक्कर देती हैं। एक्ट्रेस नम्रता मल्ला ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जग्गू की लालटेन में आइटम डांस किया है। एक्ट्रेस नम्रता मल्ला ने डीपनेक ब्रा में अपनी क्लीवेज फ्लॉन्ट की। साथ ही नम्रता मल्ला इस आउटफिट में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की इन तस्वीरों पर फैंस अपना प्यार बरसा रहे हैं। साथ ही तरह तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस अपनी फिटनेस के वीडियो यूट्यूब पर भी शेयर करती रहती हैं। नम्रता मल्ला के इंस्टाग्राम पर 1.5 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

संजय दत्त ने दीपक मुकुट के साथ पहली फिल्म द वर्जिन ट्री के लिए मिलाया हाथ

अभिनेता संजय दत्त ने निर्माता दीपक मुकुट की सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के साथ अपनी अगली फिल्म द वर्जिन ट्री के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म एक हॉरर कॉमेडी है जिसमें सनी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, आसिफ खान और नवोदित बेयॉनिक के लिए लॉन्च वाहन भी शामिल हैं।

यह सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और वानुश अरोड़ा और सिद्धांत सचदेव द्वारा लिखित है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, संजय दत्त कहते हैं, मैं उस फिल्म का समर्थन करने के लिए खुश हूं, जिसकी मुझे तलाश थी। यह फिल्म कॉमेडी और हॉरर का सही मिश्रण है, जिसमें ठंड और रोमांच का सही संतुलन है।

मैं हमेशा उद्योग में युवा नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना चाहता था और इस फिल्म के साथ हम एक नए निर्देशक को लॉन्च करते हैं। मैं उनके अच्छे समय और आगे की शानदार शूटिंग की कामना करता हूं।अभिनेता-निर्माता की प्रशंसा करते हुए दीपक मुकुट कहते हैं, संजय दत्त सिनेमा की विरासत हैं।

नान घोटाला मामले को लेकर अनिल टुटेजा ने पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को लिखा पत्र

उन पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं

» कहा कि मैं पहले ही अन्याय और प्रताड़ना का शिकार हो चुका हूं ...

रायपुर,10 नवम्बर 2022(ए)। आईएएस अनिल टूटेजा ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को एक पत्र लिखकर स्वयं पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए प्रमाणिक दस्तावेज भी प्रेषित करते हुए जवाब दिया है। श्री टूटेजा ने पूर्व सीएम से आग्रह किया है कि वे जांच एजेंसियों को निर्देशित करें कि उनके विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश करने से पूर्व नवीन साक्ष्य एवं तथ्यों की विस्तृत विवेचना के बाद ही उचित निर्णय लिया जाये।

2015 में एसीबी ने नॉन में पदस्थ अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार का अपराधिक प्रकरण चलाने सरकार से अभियोजन स्वीकृति मांगी थीं। इस दौरान अनिल टूटेजा यहां प्रबंध संचालक के पद पर कार्यरत थे। उनके 8 माह के कार्यकाल में अपर राइसमिलरों से अमानक चावल संग्रहण कर संगठित भ्रष्टाचार कर शासन को करोड़ों की राजस्व क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया गया, जिसे नॉन घोटाले का नाम दिया गया। श्री टूटेजा ने अपने पत्र में बताया कि नॉन के संचालन मंडल ने बिना किसी परीक्षण के नॉन अधिकारियों पर 3 जून 2016 को अभियोजन स्वीकृति का प्रस्ताव भारत सरकार को अनुशंसित कर दिया। अभियोजन स्वीकृति के बाद नॉन द्वारा विधानसभा सत्र में यह जानकारी दी गई कि उनके कार्यकाल में कहीं भी अमानक चावल संग्रहित या वितरित नहीं की गई, न ही इससे शासन को कोई क्षति हुई है। हाइकोर्ट में भी शासन द्वारा प्रस्तुत जवाब यह बताया गया कि प्रदेश की जीडीएस व्यवस्था देश में सर्वश्रेष्ठ है और इसमें किसी प्रकार के घोटाले का आरोप पूरी तरह कल्पना पर आधारित है, राज्य में ऐसा कोई घोटाला हुआ ही नहीं है।

आईएएस टूटेजा ने पूर्व सीएम डॉ सिंह को 7 विषयों पर लिखे अपने पत्र में नागरिक आपूर्ति निगम में रहते किसी प्रकार अनैतिक कार्य नहीं करने का हवाला देते हुए स्वयं पर लगे सभी आरोपों को विधि के प्रावधानों के विपरीत बताया है। उन्होंने पूर्व सीएम से आग्रह किया है कि औपचारिक प्रकरण की जाँच पूर्ण होने के बाद भी नवीन साक्ष्य आने पर उसे जाँच में शामिल करने का प्रावधान में है। अतः विधानसभा में शासन द्वारा पेश जानकारी, आरटीआई, उच्च न्यायालय, विधि विभाग और एसीबी अधिकारियों के द्वारा उनके विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश करने से पूर्व इस मामले में आये नए साक्ष्य और तथ्यों को जाँच में शामिल किया जाए।

अपना पक्ष सामने रखने की कही बात

टुटेजा ने पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह को लिखे अपने पत्र में कहा कि मीडिया में आप निरंतर मुझ पर नान घोटाले के प्रमुख आरोपी होने, वर्तमान सरकार द्वारा मुझे बचाने, संरक्षण देने तथा महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ करने के आरोप लगाते रहते है। यह न्यायोचित होगा कि मेरे विरूद्ध निरंतर लगाये जा रहे निराधार आरोपों पर अपना पक्ष भी सब के सामने रखू।

आरोपों का विस्तार से दिया ब्यौरा

उन्होंने पत्र में आरोपों का विस्तार से ब्यौरा दिया, और कहा कि कथित नान घोटाले की जांच के बाद रायपुर के विशेष न्यायालय के समक्ष 16 आरोपियों के विरूद्ध 6 जून 2015 को ए.सी.बी. द्वारा प्रस्तुत चालान में अन्य 16 मेरे विरूद्ध लगाए गए तीन आरोप निम्न है- इनमें मेरे नान में मात्र 8 माह के (जुन 2014 से फरवरी 2015) कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का नवीन तंत्र विकसित हुआ। जिसके तहत राज्य में लाखों क्विंटल अमानक चावल का संग्रहण एवं वितरण किया गया। चावल और नमक के अनावश्यक अतजिला परिवहन में नान को 5.18 करोड़ की क्षति हुई। लाखों क्विंटल अमानक चावल के बदले राईस मिलरों से एकत्र अवैध राशि में मुझे भी हिस्सा प्राप्त होता था।

अमानक चावल के संग्रहण के लगाए गए काल्पनिक आरोप

उन्होंने आगे कहा कि स्मरण रहे कि एसीबी द्वारा बड़ी मात्रा में अमानक चावल के संग्रहण एवं नान को 5 करोड़ की क्षति होने के संबंध में नान प्रबंधन अथवा शासन के खाद्य विभाग से पूछने की आवश्यकता नही समझी तथा चावल के सापदण्डों की कोई जानकारी न होने के बाद भी अमानक चावल के संग्रहण के काल्पनिक आरोप लगाये गए।

संग्रहित नहीं किया गया अमानक चावल

टुटेजा ने कहा कि आपकी सरकार ने अमानक चावल संग्रहण एवं 5 करोड़ की क्षति के बारे में जो उच्च न्यायालय तथा विधानसभा में जो जानकारी दी थी वह इस प्रकार है- विधानसभा के दिसम्बर 2015 के शीतकालीन सत्र में शासन द्वारा प्रश्न क्र. 511 के उत्तर में जानकारी दी गई कि कैलेण्डर वर्ष 2014 में अक्टूबर तक राज्य में कही भी अमानक चावल संग्रहित नही किया गया। पुनः विधानसभा के 2016 के सत्र में प्रश्न क्र. 892 के उत्तर दिनांक 18 मार्च 2016 को शासन द्वारा यह जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2013 एवं 2014 में नमक के अनावश्यक परिवहन में कोई क्षति नहीं हुई। उन्होंने विधानसभा में ही 18 मार्च 2016 को प्रश्न क्र. 2299 के उत्तर में शासन द्वारा यह जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 में राज्य में कही भी अमानक चावल संग्रहण एवं वितरण की कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है।

परिवहन एवं वितरण में कोई क्षति नही

टुटेजा ने यह भी बताया कि पी.डी.एस. अंतर्गत वितरित किये जाने वाले चांवल की गुणवत्ता की जांच कलेक्टरों द्वारा स्वतंत्र रूप से खाद्य निरीक्षकों के माध्यम से कराई जाती है तथा उक्त प्रश्नों का उत्तर राज्य के समस्त कलेक्टरों से प्राप्त जानकारी के आधार पर दिया गया था। नान द्वारा 6 जून 2016 को सूचना के अधिकार अंतर्गत दी गई जानकारी में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में खाद्यान्नों के संग्रहण, परिवहन एवं वितरण में कोई क्षति नही हुई है। उच्च न्यायालय में नान में कथित रूप से एक दशक से जारी घोटाले में हजारों करोड़ों की क्षति होने तथा अमानक चावल संग्रहण करने में अनियमितताओं के आरोपों के आधार पर दायर जनहित याचिकाओं में नान घोटाले की जांच सी.बी.आई./एस.आई.टी. द्वारा कराये जाने की मांग पर आपकी सरकार की ओर से दिये गये जवाब दिनांक 30 अगस्त 2016 के प्रांसगिक अंश निम्नानुसार है विगत 12 वर्षों से भी अधिक अवधि से राज्य का पी.डी.एस. देश के लिये मॉडल है, टाइम टेस्टेड तथा एफिसियेन्ट है। यह उल्लेखनीय है कि उक्त 12 वर्षों से अधिक की अवधि में मेरा कार्यकाल भी शामिल है।

जाति प्रमाण को लेकर छात्रों के हित में बड़ा फैसला

रायपुर,10 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विद्यार्थियों के हित में यह निर्णय लिया गया है कि विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष जाति प्रमाण पत्र जारी किये जाने के स्थान पर एक ही बार जाति प्रमाण पत्र जारी किये जाएं।

स्थायी अभिलेख की तरह होंगे

विद्यार्थियों को जारी जाति प्रमाण पत्र स्थायी अभिलेख की तरह होंगे। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सभी कलेक्टरों को जारी किए गए निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि स्थाई सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र (जाति प्रमाण पत्र) की मान्यता समय के द्वारा सीमित नहीं होगी अर्थात् यह कालातीत नहीं होगा यह सर्वदा के लिए होगा।

यह एक तरह से स्थाई अभिलेख है। बार-बार जाति प्रमाण जारी किये जाने की आवश्यकता नही है. जाति प्रमाण पत्र खो जाने की स्थिति में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा इसका डुप्लीकेट भी जारी किया जा सकेगा।

एक ही बार जाति प्रमाण पत्र किए जाएंगे जारी

कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित समस्त शासकीय, निजी शालाओं एवं केन्द्रीय बोर्ड की शालाओं में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडा वर्ग के विद्यार्थियों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र उनकी शालाओं में अध्ययनरत होने के दौरान ही उनके स्थायी जाति प्रमाण पत्र एवं निवास प्रमाण पत्र तैयार कर शालाओं में वितरित किये जाये तथा उक्त शिविर का आयोजन प्रत्येक वर्ष निरंतर रूप से जारी रखें जायें।शालाओं में लंबित जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र आगामी शैक्षणिक सत्र तक जारी किये जाएं। कलेक्टरों को इस संबंध में मासिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से सामान्य प्रशासन विभाग (आरक्षण प्रकोष्ठ) को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस राज में महिला उत्पीड़न की पराकाष्ठा पर भाजपा की महतारी हुंकार रैली

रायपुर,10 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता विधायक रंजना साहू तथा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने संयुक्त बयान में कांग्रेस राज में महिला उत्पीड़न की पराकाष्ठा पर 11 नवंबर को बिलासपुर में आयोजित भाजपा की महतारी हुंकार रैली में प्रदेश की सभी महिलाओं को आमंत्रित करते हुए कहा है कि कांग्रेस महिलाओं से शराबबंदी का वादा कर सत्ता में आई और वादे से मुकर गई। कांग्रेस सरकार में उत्पीड़न और डिप्रेशन से पीड़ित हजारों महिलाओं ने मजबूर होकर आत्महत्या की है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रंजना साहू व महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि कांग्रेस के राज में 6 हजार से ज्यादा महिलाओं के साथ बलात्कार की घिनौनी वारदातों ने साबित कर दिया है कि छत्तीसगढ़ में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। छात्रावास में रेप, अस्पताल में रेप, चलती गाड़ी में रेप, सड़कों पर रेप, घर में घुसकर रेप, गैंगरेप और हत्या! कांग्रेस के पदाधिकारी भी गैंगरेप में शामिल! यह है कांग्रेस सरकार का रिपोर्ट कार्ड।

उन्होंने महिलाओं की स्थिति और वेदना बताते हुए कहा कि प्रसव पीड़ा से तड़पते हुए अस्पताल के बाहर कई महिलाओं की मौत हुई क्योंकि उन्हें इस सरकार की अस्पतालों में दाखिला नहीं मिला। कांग्रेस ने महिलाओं के साथ विश्वासघात किया और महिला स्व सहायता समूहों का कर्ज माफ नहीं किया। रेडी टू ईट में महिलाओं से रोजगार छीना। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रंजना साहू व महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि कांग्रेस के राज में महिलाओं के कुपोषण एनीमिया में भारी वृद्धि हुई है। इस मामले में कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ को देश में पहले स्थान पर ला दिया है। प्रदेश की महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने भाजपा महिला मोर्चा सरकार के खिलाफ सड़क पर शंखनाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति कांग्रेस सरकार का प्रतिकार करेगी। यह महतारी हुंकार रैली कांग्रेस सरकार के सफाये का आधार बनेगी।

राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन का दो दिवसीय बस्तर प्रवास

कहा बीजेपी लोगों को बना रही बेवकूफ

जगदलपुर 10 नवम्बर 2022(ए)। दो दिवसीय बस्तर प्रवास पर राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन जगदलपुर पहुंची. जंहा पत्रकारो से चर्चा करते हुए कहा कि बस्तर काफी शांत जगह और खूबसूरत जगह है.

इसे लोग बदनाम कर अपनी दुकानदारी चला रहे हैं, ऐसे लोग ज्यादा दिन तक टिक भी नही पाते हैं. साथ ही कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है. और बीजेपी के नेता केवल झूट के ही सहारे आम जनता को बेवकूफ बना रहे हैं. जनता सब देख रही है. महंगाई की आवाज उठाने वाले खुद भजापा के मंत्री लापता हो गए हैं, अब जनता उनको जवाब के लिए ढूंढ रही है. बता दे की राज्यसभा सांसद कल सुकमा जिले के एक कार्यक्रम में शामिल होने बस्तर पहुंची है।

मिशनरियों द्वारा करमा का आयोजन कर

डिलिस्टिंग से बचने का उपाय ढूंढा जा रहा:अनुराग सिंहदेव

रायपुर,10 नवम्बर 2022(ए)। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने मूल आदिवासी संस्कृति और परंपरा को ईसाई मिशनरियों द्वारा हथियाने और आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण में बेतहाशा वृद्धि को कांग्रेस की साजिश करार देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय की संस्कृति और संस्कार को नष्ट करने की साजिश कांग्रेस की सरकार के संरक्षण में चार साल से चल रही है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने अम्बिकापुर में मूल आदिवासी उरांव और ईसाई मिशनरियों के बीच करमा नृत्य आयोजन को लेकर सामने आए विवाद का हवाला देते हुए कहा कि करमा पूजा परंपरा संस्कार और सनातन संस्कृति है। इसका मिशनरी धर्म से कोई संबंध नहीं हो सकता। सरकारी संरक्षण में मिशनरियों द्वारा करमा का आयोजन कर डिलिस्टिंग से बचने का उपाय ढूंढा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले ही आशंका जताई थी कि जिस तरह कांग्रेस सरकार के संरक्षण में धर्मांतरण हो रहा है, उससे आदिवासी संस्कृति और परंपरा पर ईसाई मिशनरियों द्वारा कब्जे की कोशिशें बढ़ेंगी। अब इसके परिणाम सामने आने लगे हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार में धर्मांतरण को इस कदर बढ़ावा मिल रहा है। पूर्व में बस्तर संभाग कमिश्नर और एस पी ने धर्मांतरण को खतरनाक बताया था इन चेतावनियों के बावजूद बस्तर में मूल आदिवासी धर्मांतरण का विरोध कर रहे हैं तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। राजधानी में सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण हो रहा है, इसका विरोध करने वालों को पुलिस के दमन का शिकार होना पड़ता है।

श्री सिंहदेव ने सरकार को चेतावनी दी है कि छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को बढ़ावा तथा आदिवासी संस्कृति पर ईसाई मिशनरियों के अतिक्रमण का न्यौता देने वाले अब भी चेत जाएं तो बेहतर है। अन्यथा आदिवासी संस्कृति पर आक्रमण भारतीय जनता पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। और इसका दुष्परिणाम कांग्रेस को भोगना पड़ेगा।

20 पैसेंजर-मेमू ट्रेने रद्द

रायपुर ,10 नवम्बर 2022(ए)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के सभी कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है 7 इसी संदर्भ में अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बिलासपुर-चांपा खंड के जयरामनगर व लटिया स्टेशनों में चौथी लाइन कनेक्टिविटी हेतु नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा 7 यह कार्य जयरामनगर स्टेशन में 11 नवम्बर से 14 नवम्बर तक तथा लटिया स्टेशन में 14 नवम्बर से 16 नवम्बर 2022 तक किया जायेगा । इस कार्य के फलस्वरुप कुछ गाड़ियों को रद्द एवं कुछ को परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएगी 7 इस कार्य के पूरा होते ही गाड़ियों की समयबद्धता व परिचालन में गतिशीलता आएगी

कलयुगी पिता ने बेटी को बनाया अपनी हवस का शिकार

गरियाबंद ,10 नवम्बर 2022(ए)। छुरा में पिता-पुत्री के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने का एक प्रकरण सामने आया है. छुरा क्षेत्र के गांव में रहने वाले 50 वर्षीय व्यक्ति पर उसकी 23 साल की शादीशुदा बेटी ने रेप करने का आरोप लगाया है. युवती की शिकायत के आधार पर छुरा थाने की पुलिस ने गुरुवार को उसके पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया. आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पीड़िता ने छुरा थाने की पुलिस को बताया कि 4 नवंबर की रात उसके पिता ने उसे घर पर अकेला पाकर उसके साथ बलात्कार किया है.

विरोध करने पर वह उसकी छह वर्षीय बच्ची के गले में चाकू और टंगिया लगाकर जान से मारने की धमकी दे रहा था. वहीं इस संबंध में किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी दे रहा था. पिता की घिनौनी करतूत से जब वह डर गई थी, फिर बाद में हिम्मत कर पुलिस को तहरीर दी. पिता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. इस संबंध में छुरा थाना प्रभारी भुषण चंद्राकर ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 506, 376 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. महिला को मेडिकल मुआयना के लिए भेजा गया है. आरोपी को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया है.

समीर विश्नोई,सुनील अग्रवाल और लक्ष्मीकांत तिवारी की ज्यूडिशियल रिमांड बढ़ी

रायपुर ,10 नवम्बर 2022(ए)। निलंबित आईएएस समीर विश्नोई, कोल कारोबारी सुनील अग्रवाल व लक्ष्मीकांत तिवारी की ज्यूडिशियल रिमांड बढ़ा दी गई है. कोर्ट ने ईडी को एक दिन का समय दिया है. पूरे मामले में कल फिर सुनवाई होगी।

श्रेष्ठ ने 11 अक्टूबर को प्रदेश के कई शहरों में अफसरों-कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान कोयला ढुलाई के कारोबार में अवैध लेन-देन की बात सामने आई। श्रेष्ठ ने दो दिन की पूछताछ के बाद 13 अक्टूबर को चिप्स के तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ढुस समीर विश्नोई, कोल वॉशरी के संचालक सुनील अग्रवाल और कारोबारी लक्ष्मीकांत तिवारी को गिरफ्तार कर लिया। उनको न्यायालय में पेश कर पहले 8 दिन और फिर छह दिन की रिमांड ली।

पूछताछ के बाद 27 अक्टूबर को तीनों को न्यायिक हिरासत में 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। इस मामले में कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को मुख्य व्यक्ति बताया गया था, लेकिन श्रेष्ठ ने उसे खोजने की कोई कोशिश नहीं की। उसको कभी समन भी नहीं भेजा गया। इस बीच 29 अक्टूबर को 3.30 बजे के करीब सूर्यकांत ने अचानक श्रेष्ठ की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं से ED ने सूर्यकांत को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए 12 दिन की रिमांड पर लिया।

मुख्यमंत्री ने देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर किया नमन

रायपुर ,10 नवम्बर 2022(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर उन्हें नमन किया है। सीएम बघेल ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के योगदान को याद करते हुए कहा है कि आजाद भारत में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ शिक्षा व्यवस्था के सुधार में मौलाना अबुल कलाम आजाद जी का बड़ा योगदान रहा है। उनकी याद और सम्मान में उनके जन्मदिन 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार मौलाना अबुल कलाम आजाद जी के पदचिन्हों पर चलकर छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुविधायुक्त वातावरण देने के लिए आत्मानंद स्कूलों की स्थापना की गई है। निर्धन और दूरस्थ क्षेत्र के बच्चों को भी अब शहरों के अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की तरह शिक्षा के अवसर और संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं। वास्तविक अर्थों में यह देश के प्रथम शिक्षा मंत्री को सच्ची श्रद्धांजलि है।

पुलिस जवान ने बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा

रायपुर ,10 नवम्बर 2022(ए)। रायपुर की पुलिस ने अपने ही जवान के खिलाफ केस दर्ज किया है। दरअसल जवान पर एक बुजुर्ग को बुरी तरह से पीटने का आरोप है। मामूली बात पर हुई बहस के बाद बाद इस कदर बिगड़ी मामला मारपीट पर जा पहुंचा। घायल बुजुर्ग को अस्पताल लाया गया। अब अस्पताल के लोगों ने पुलिस को खबर दी। सरस्वती नगर थाने में इस मामले में पुलिस जवान पर स्वढ़ुक्र दर्ज की गई है। जिस जवान पर मारपीट का आरोप लगा है उसका नाम अजय कौशल नाम बताया जा रहा है। अजय के खिलाफ शिकायत करने वाले 85 साल के रिटायर्ड प्रोफेसर बालकृष्ण अग्रवाल हैं। अग्रवाल हर सुबह वॉक पर जाते हैं। सुबह करीबन 5.00 बजे करबला तालाब इमाब बडा के पास वॉक कर रहे थे। 294 506 325 यहां उन्हें एक पुलिस जवान युवती को हड़काते हुए दिखा। करीब जाकर अग्रवाल ने जवान ने कह दिया लड़की को जाने दो क्यों तंग कर रहे हो। जवान ने कहा - अबे बुढढे तुझे मैं जान से मार दुंगा। ये कहकर गालियां देने लगा। धक्का देकर जमीन पर पटका और बुजुर्ग को लातों से पीटने लगे। बुजुर्ग ने पुलिस वाले के बैच पर उसका नाम अजय कौशल पढ़ लिया था। पास ही खड़े पेट्रोलिंग वाहन से दूसरा पुलिस वाला उतरा और अजय को साथ लेकर चला गया। पुलिस वाले की मार से घायल बुजुर्ग सड़क पर गिरे हुए थे। राहगीरों ने घर पहुंचाया और परिजनों को उन्होंने सारी बात बताई। इसके बाद मामला थाने पहुंचा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)